पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर, सोमवार, 29 नवम्बर, 2021

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 275

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

शाह को सुनने के लिए जयपुर में उमड़ेगा जनसैलाब-पूनियां

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 5 दिसंबर को जयपुर दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक की एवं दिशा-निर्देश दिये। डॉ. पूनियां ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अमित शाह का व्यक्तित्व इतना विराट है कि जिनको देखने-सुनने के लिए देशभर में बड़ी संख्या में लोग आते हैं और इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी भारी संख्या में कार्यकर्ताओं व आमजन का जनसैलाब उमड़ेगा। कार्यक्रम भव्य और विशाल होगा जिसको लेकर सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि, अमित शाह के जयपुर दौरे व उनके ओजस्वी सम्बोधन से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और नई ऊर्जा का संचार होगा। उल्लेखनीय है कि अमित शाह 5 दिसंबर को जयपुर में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित करेंगे और इसके बाद 10 हजार से अधिक जनप्रतिनिधियों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें सांसद, विधायक, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान, उपप्रधान, जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख इत्यादि जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

कर्नाटक में दो दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों में कोरोना के डेल्टा वेरिएंट की पहचान हुई

बेंगलुरु। महामारी कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के खौफ के बीच कर्नाटक में दो दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों में डेल्टा स्वरूप की पहचान हुई है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों दक्षिणी अफ्रीकी नागरिक वायरस के डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों क्रमशः 11 नवंबर और 20 नवंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और इससे उन्हें 'ओमीक्रोन' स्वरूप से संक्रमण होने की आशंका दूर हो गई है जिसको लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। अधिकारी के मुताबिक कि एक नवंबर से 26 नवंबर के बीच 94 लोग दक्षिण अफ्रीका से कर्नाटक में आए हैं जिनमें से दो को कोविड-19 होने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि दोनों संक्रमितों को पृथक-वास में रखा गया है और अधिकारी उन पर नजर रखे हुए हैं।

नए ओमिक्रॉन वायरस का टीके का प्रभाव जानने चल रहा अनुसंधान : आईसीएमआर

नई दिल्ली। महामारी कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की पुष्टि के बाद भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वरिष्ठ वैज्ञानिक समीरन पांडा ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप की जीन और संरचना में परिवर्तन देखा गया है लेकिन इन बदलावों से उसकी संक्रामक क्षमता बढ़ेगी या वह टीके के प्रभाव को कम कर देगा, इसका परीक्षण किया जा रहा है। आईसीएमआर के

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मन की बात कार्यक्रम में सुने प्रधानमंत्री मोदी के विचार

प्रधानमंत्री ने जनजातीय समुदाय के योगदान का किया स्मरण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विभिन्न संचार माध्यमों से प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को सुना। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में मध्यप्रदेश और यहाँ के निवासियों का उल्लेख प्रसंग के अनुसार किया।

क्या कहा प्रधानमंत्री ने

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनजातीय समुदाय का आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान है। हाल ही में देश में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी गत 15 नवम्बर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए थे। इसी दिन प्रदेश में जनजातीय गौरव सप्ताह की शुरूआत भी हुई थी, जिसका समापन मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 22 नवम्बर को मण्डला में रानी अवंती बाई के जन्म स्थल पर श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित कार्यक्रम में किया था।

मन की बात में कटनी के किस्सागोई की चर्चा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज मध्यप्रदेश के कटनी के रंगमंच के साथियों के दास्तान कार्यक्रम का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में प्रस्तुत रानी दुर्गावती के अदम्य साहस और बलिदान के उल्लेख का हवाला देकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अलग-अलग काल-खंड में जन-जागृति में बलिदानियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूरा देश आजादी के अमृत महोत्सव पर उत्सव मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कटनी में आजादी के अमृत महोत्सव और जनजातीय गौरव सप्ताह में कटनी स्टोन आर्ट फेस्टिवल में जागृति पार्क में किस्सागोई कार्यक्रम का जिक्र किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कटनी के कार्यक्रम की मन की बात में तारीफ भी की। कटनी स्टोन आर्ट फेस्टिवल कार्यक्रम के दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती की अदम्य साहस को लखनवी अंदाज में कलाकार हिमांशु बाजपेयी और सुश्री प्रज्ञा शर्मा ने किस्सागोई के रूप में प्रस्तुत किया था।

प्रधानमंत्री जी की मन की बात सबको लगती है अच्छी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सेवा के काम हों, पर्यावरण बचाने का अभियान हो, योजनाओं के क्रियान्वयन के माध्यम से लोगों को इससे लाभ होता है। भारतीय संस्कृति के मूल्यों और परम्पराओं का अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग प्रदेशों में जैसा पालन होता है, वो एक साथ एक स्टेज पर दिखाई देता है। अद्भुत कार्यक्रम है ये मन की बात। इस कार्यक्रम में दूसरों की सेवा का काम या अच्छा काम करते हुए देखकर हमें भी अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री जी की मन की बात जब सुनते हैं तो लगता है सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्ताँ हमारा।

उमर अब्दुल्ला बोले- जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा बहाल कराने अंतिम सांस तक लड़ूंगा

जम्मू। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ने का शनिवार को संकल्प लिया। अब्दुल्ला श्रीनगर में 15 नवंबर को हुए विवादित मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक युवक के परिवार से मिलने रामबन जिला में स्थित उसके घर गए थे।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला चेनाब घाटी के आठ दिन के दौरे पर हैं और दूसरे दिन वह गुल इलाके में पहुंचे। चेनाब घाटी में जम्मू कश्मीर के रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिले आते हैं। गुल में एक रैली में अब्दुल्ला ने कहा, '...हम अपने या अपने घरों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई आपके (जम्मू-कश्मीर की जनता) और आपके हितों रक्षा के लिए है। हमारी लड़ाई हमारे उन अधिकारों की बहाली के लिए है, जो पांच अगस्त, 2019 को हमसे छीन लिए गए थे और हम अपनी अंतिम सांस तक लड़ते रहेंगे।' उन्होंने कहा कि यह सच्चाई और न्याय की लड़ाई है और जो यह लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाते बल्कि इसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। केन्द्र सरकार ने अगस्त, 2019 में संविधान संशोधन करके अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया। जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो गया। अब्दुल्ला श्रीनगर के हैदरपुरा में 15 नवंबर को हुई मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक अमीर मगरे के घर भी पहुंचे। मगरे के परिवार का दावा है कि वह निर्दोष था और अंतिम संस्कार के लिए उसका शव तुरंत परिजनों को सौंपा जाना चाहिए। मगरे के घर तक पहुंचने के लिए नेकां नेता करीब पांच किलोमीटर पैदल चले। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्यवश आज हालात ऐसे हो गए हैं कि निर्दोष नागरिकों का शव प्राप्त करने के लिए हमें प्रदर्शन करना पड़ रहा है। वह (मगरे) काम के सिलसिले में श्रीनगर गया था।

खेतों में डल गया अरबों का अमानक खाद

भोपाल। यूरिया खाद की जांच में बड़ी लापरवाही सामने आई है। अरबों रुपए का नकली खाद बिक जाने और खेतों में डल जाने के बाद कृषि विभाग के अफसरों की आंख, खाद की जांच करने के लिए खुली है। कुछ सप्ताह की जांच में ही 50 खाद के नमूने अमानक पाए गए हैं। कार्रवाई स्वरूप कृषि विभाग ने आधा दर्जन फर्म संचालकों का लाइसेंस निरस्त किया है, जबकि एक फर्म संचालक पर एफआइआर कराई है। इधर, अमानक खाद खरीदने वाले किसानों की गेहूं-चना, आलू-मटर की पैदावार को लेकर चिंता बढ़ गई है। रबी की फसल सामान्यतः अक्टूबर-नवंबर महीने में बोई जाती हैं। खेतों में गेहूं, चना, आलू, मटर की 90 फीसदी बोवनी हो चुकी है। खेतों में पैदावार बढ़ाने को खाद भी डाला जा चुका है। वो खाद जिसकी जांच कायदे से डेढ़-महीने पहले ही हो जाना थीं, मगर ऐसा नहीं हुआ। शिकायत पर अफसरों ने कुछ सहकारी समितियों और निजी फर्मों से खाद के नमूने जांच करने को लिए। 202 नमूनों की जांच रिपोर्ट में 50 नमूने अमानक पाए गए।

दावे के बाद भी खाद समस्या बरकरार

इन दिनों प्रदेश में रबी फसलों की बुवाई हो रही है। लेकिन अधिकतर किसान खाद के लिए या तो समितियों के चक्कर काट रहे हैं या धरना, प्रदर्शन और सड़क पर चक्काजाम कर रहे हैं। प्रदेश का कोई भी जिला ऐसा नहीं है जहां का किसान खाद के लिए परेशान न हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ शासन-प्रशासन का दावा है कि प्रदेश में खाद की कमी नहीं है। शासन-प्रशासन के लाख दावे के बाद भी खाद की समस्या बरकरार है। कहीं किसान का पूरा परिवार तो कहीं छात्र-छात्राएं खाद के लिए कतार में नजर आ रहे हैं। प्रदेश के अलग अलग जिलों में खाद की किल्लत से किसान परेशान है। जानकारी के मुताबिक 52 में से 35 जिलों में जरूरत से कम खाद मौजूद है। जिसके चलते किसानों को खाद पर्याप्त नहीं मिल पा रहा।

घने कोहरे की वजह से शव लेकर जा रहा मैटाडोर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया, 18 लोगों की मौत, 5 गंभीर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में एक भीषण सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत गई, जबकि कई जख्मी है। यह हादसा शनिवार देर रात हुआ है। हादसे में जख्मी कई और लोगों की हालत गंभीर है। आशंका है कि मृतकों की संख्या अब बढ़ सकती है। हादसे में मृत लोगों के प्रति केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने गहरा दुख प्रकट किया है। यह हादसा उस समय हुआ जब उत्तर 24 परगना के बागदा से मेटाडोर में शव को लेकर 35-40 लोग नदिया जिले के नवद्वीप श्मशान घाट जा रहे थे। जब वे लोग हांसखाली के फूलबाड़ी इलाके में पहुंचे तो मैटाडोर सड़क किनारे खड़े पत्थर से लदे एक ट्रक से जा टकराई। इस घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग जख्मी हो गए। उस समय गहरा कोहरा था और सड़क भी खराब थी। इसके अलावा मैटाडोर की गति भी तेज थी। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला, जबकि कुछ लोग वाहन में बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस के पहुंचने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने 18 लोगों को मृत घोषित कर दिया। कई अन्य की स्थिति गंभीर है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। लोगों ने कहा कि सड़क खराब थी और कोहरा भी था, साथ ही चालक तेज रफ्तार से मैटाडोर चला रहा था, इस वजह से यह हादसा हो गया। बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा नदिया जिले में सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत और पांच अन्य लोगों के घायल होने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

भोपाल को देश के प्रमुख शहरों की विमान सेवाओं से जोड़ने की माँग

केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिले राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

प्रदेश के विकास के लिए हवाई सेवाओं के विस्तार का किया अनुरोध

भोपाल। राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केन्द्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मध्यप्रदेश के विकास के लिए हवाई सेवाओं के विस्तार का अनुरोध किया है। मंत्री श्री राजपूत ने केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया को सौपे अपने पत्र में भोपाल से नई दिल्ली के लिए एयर इंडिया की रात्रि में सप्ताह में 3 दिन संचालित विमान सेवाओं को पूर्व अनुसार 5 दिन करने अनुरोध किया है। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि भोपाल से रीवा, ग्वालियर, जबलपुर के लिये हवाई सेवा प्रारंभ की जाए।

भोपाल को हवाई सेवा से देश-विदेश से जोड़ा जाए: परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। पर्यटन एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए यहाँ से देश-विदेश के विभिन्न स्थानों के लिए उड़ानें शुरू करने की आवश्यकता है। इसी अनुक्रम में भोपाल से जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे एवं गोवा के लिए सीधी विमान सेवा संचालित की जा सकती है। इसके अलावा मध्यप्रदेश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल खजुराहो में दिल्ली, मुंबई, वाराणसी से अभी कोई विमान सुविधा उपलब्ध नहीं है, सरकार इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने का विचार कर रही है। सीधे विमान सेवा नहीं होने से यहाँ आने वाले पर्यटकों को परेशानी हो रही है। इसलिए खजुराहो को भोपाल सहित देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए विमान सेवा शीघ्र प्रारंभ करने का अनुरोध उन्होंने किया है। रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम में जबलपुर और ग्वालियर में संचालित विमान सेवाएँ एवं रीवा से संचालित होने जा रही विमान सेवाओं को ध्यान में रखकर भोपाल एयरपोर्ट को आरसीएस एयरपोर्ट घोषित किया जाए और यहाँ से ज्यादा से ज्यादा उड़ानें संचालित की जाएँ।

रोमांचक मोड़ पर पहुंचा भारत- न्यूजीलैंड मैच

भारत को जीत के लिए चाहिये नौ विकेट , कीवी टीम को 280 रन

दूसरी पारी में कीवी टीम ने चार रनों पर गंवाया एक विकेट

कानपुर। भारतीय टीम ने ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को जीत के लिए 284 रनों का लक्ष्य दिया है। इसका पीछा करते हुए कीवी टीम ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर केवल चार रन ही बनाये थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी पारी की शुरूआत खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर ही अपना विकेट गंवा लिया। विल यंग अश्विन की गेंद पर 2 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। टॉम लेथम दो और समरविली शून्य पर खेल रहे थे। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 234 रनों पर घोषित कर दी थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 345 जबकि न्यूजीलैंड ने पहली पारी मे 296 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 49 रनों की बढ़त हासिल थी। भारतीय टीम की ओर से जहां पहली पारी में श्रेयस अय्यर ने शतक लगाया था वही कीवी टीम की ओर से टॉम लैथम के 95 रन की शानदार पारी खेली थी।

वहीं दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दूसरे ही ओवर में एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उनके जोड़ीदार मयंक अग्रवाल भी 17 रन ही बना पाये। चेतेश्वर पुजारा 22 और कप्तान आजिंग्य रहाणे 4 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे पहली पारी की तरह ही दूसरी पारी में भी नाकाम रहे। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने अपना अर्धशतक पूरा किया और अक्षर पटेल के साथ साझेदारी निभाई। साहा ने 61 रन बनाए तो वहीं अक्षर ने 28 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने दूसरी पारी में भी अच्छी बल्लेबाजी कर 65 रन बनाये। वह साउथी की गेंद पर टॉम ब्लंडेल के हाथों कैच आउट हो गए। अश्विन 5 चौकों की मदद से 32 रन बनाकर जेमीसन की गेंद पर बोल्ड हुए। वहीं ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा दूसरी पारी में खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। वहीं तीसरे दिन भारतीय टीम के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कीवी टीम को पहली पारी में 296 रनों पर समेट कर दिया था। भारत की ओर से स्पिनर अक्षर पटेल ने पांच विकेट लिए। अक्षर ने दूसरे सत्र में अच्छी गेंदबाजी करते हुए कीवी टीम को दबाव में ला दिया था।

दूसरी पारी में लंच तक ही आधी भारतीय टीम पेवेलिन लौटी , 84/5

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन लंच तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 82 रन बना लिए थे। श्रेयस अय्यर नाबाद 18 और आर अश्विन 20 रनों पर खेल रहे थे। दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दूसरे ही ओवर में एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उनके जोड़ीदार मयंक अग्रवाल भी 17 रन ही बना पाये। चेतेश्वर पुजारा 22 और कप्तान आजिंग्य रहाणे 4 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे पहली पारी की तरह ही दूसरी पारी में भी नाकाम रहे। इससे पहले भारतीय टीम के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दिन कीवी टीम को पहली पारी में 296 रनों पर समेट कर पहली पारी के आधार पर 49 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 345 रन बनाये थे। भारत की ओर से स्पिनर अक्षर पटेल ने पांच विकेट लिए। अक्षर ने दूसरे सत्र में अच्छी गेंदबाजी करते हुए कीवी टीम को दबाव में ला दिया था। उन्होंने आखिरी सत्र में भी दो विकेट लिये। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव ने

वन-टू-वन

कोहली और मैक्सवेल को बरकरार रखेगी आरसीबी

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) आईपीएल के अगले सत्र के लिए होने वाली मेगा नीलामी में अपनी टीम में बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बरकरार रखेगी। सभी टीमों को 2022 सत्र के लिए होने वाली नीमामी में अपने चार खिलाड़ियों को बरकरार रखने की अनुमति मिली है। ऐसे में दो अन्य स्थानों के लिए देवदत्त पडिक्कल, युजवेंद्र चहल, हर्षल पटेल और मोहम्मद सिराज में मुकाबला है। इन युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन हाल के समय में बेहतर हुआ है। आरसीबी के पास विराट की जगह पर एक नए कप्तान के नाम पर भी विचार करने का अतिरिक्त काम है। कोहली नये सत्र से कप्तान नहीं रहेंगे , उन्होंने आईपीएल के 14 वें सत्र में ही यह घोषणा कर दी थी हालांकि वह टीम में बने रहेंगे। भले ही कोहली के नेतृत्व में आरसीबी एक भी खिताब नहीं जीत सकी पर उन्होंने कहा था कि वह किसी अन्य टीम में नहीं जाएंगे। आईपीएल नियमों के अनुसार टीमें तीन से अधिक भारतीय (कैप्ड या अनकैप्ड) और दो विदेशी खिलाड़ियों को बरकरार नहीं रख सकती हैं, जबकि एक टीम दो से अधिक नये खिलाड़ियों को बरकरार नहीं रख सकती है। वहीं दूसरी ओर नई फ्रेंचाइजी दो भारतीय (कैप्ड या अनकैप्ड), एक विदेशी और एक अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल कर सकती हैं।

जोकोविच की जीत के बाद भी हारी सर्बिया , जर्मनी , इटली जीते

वाशिंगटन। डेविस कप टेनिस फाइनल्स में जर्मनी के हाथों सर्बिया की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं एक अन्य मुकाबले में इटली को भी जीत मिली है। सर्बिया की हार इसलिए भी हैरान करती है क्योंकि उसकी ओर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच खेलने उतरे थे। सर्बिया को डेविस कप फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में यहां जर्मनी ने हराया। जोकोविच ने जेन-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर सर्बिया को 1-1 से बराबरी दिलाई और इसके बाद वह निकोला सेसिच के साथ युगल मुकाबले में उतरे। डोमीनिक कोफर ने फिलिप क्राजिनोविच को 7-6, 6-4 से हराकर जर्मनी को बढ़त दिलाई पर जोकोविच ने अपने 50वें डेविस कप मुकाबले में स्ट्रफ को 6-2, 6-4 से हराकर सर्बिया को बराबरी दिला दी। ब्रेक के बाद जोकोविच युगल मुकाबले में उतरे पर अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं इटली ने ग्रुप ई में कोलंबिया को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाने वाली पहली टीम बनी। इटली के लोरेंजो सोनेगो ने तुरिन में निकोलस मेजिया को 6-7, 6-4, 6-2 से हराया जबकि यानिक सिनर ने डेनियल इलाही गेलेन को 7-5, 6-0 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में टिम पुएट्ज और केविन क्राविट्ज की जोड़ी ने 7-6, 3-6, 7-6 से जीत दर्ज कर जर्मनी को 2-1 से बढ़त दिलाई हालांकि सर्बियाई टीम के पास अब भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने का अवसर है। छह ग्रुप विजेता और दो उप विजेता टीमें अंतिम आठ में पहुंचेंगी। जर्मनी की टीम ग्रुप एफ में ऑस्ट्रिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना सकती है। ऑस्ट्रिया को सर्बिया ने हराया था। एक अन्य मुकाबले में दानिल मेदवेदेव की रूसी टीम ने इक्वाडोर को हराया। मेदवेदेव ने एमिलियो गोमेज की सर्विस पांच बार तोड़कर 6-0, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए रूस को 2-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई। पांचवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव ने रॉबर्टो क्विरोज को 6-3, 4-6, 6-1 से हराकर रूस को विजयी शुरुआत दिलाई थी। रूबलेव और अस्लान करात्सेव की जोड़ी ने युगल मुकाबले में गोंजालो एस्कोबार और डिएगो हिडालगो को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया।

एफएमसीजी बाजार में ऊंचे आधार प्रभाव से और गिरावट आएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों (एफएमसीजी) के बाजार में ऊंचे आधार प्रभाव की वजह से अभी और गिरावट देखने को मिलेगी। विशेष रूप से घरेलू खपत वाले क्षेत्रों में ऐसी स्थिति रहेगी। हालांकि, इसके बावजूद एफएमसीजी क्षेत्र के लिए एक अच्छी चीज यह देखने को मिल रही है कि कुछ श्रेणियों में पहुंच का दायरा कोविड-पूर्व के स्तर के ऊपर पहुंच चुका है। आंकड़ा विश्लेषण और बाजार आसूचना कंपनी कांतार की एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफएमसीजी क्षेत्र के लिए दिसंबर, 2020 की तिमाही 5.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर तिमाहियों में से रही है। इन ऊंचे आंकड़ों के आधार पर अगली तिमाही में वृद्धि और नीचे आने की आशंका है। कांतार की नवंबर, 2021 के लिए एफएमसीजी पल्स रिपोर्ट के अनुसार इस वजह से 2021 के आ?खिरी तक कुल वृद्धि (एमएटी) और कम होगी। एफएमसीजी उत्पादों की मात्रा के हिसाब से बिक्री और घटने का अनुमान है। हालांकि साथ ही कांतार ने कहा ?कि इसके बावजूद हम मानते हैं कि यह काफी खराब स्थिति नहीं है। तथ्य यह है कि देश में कुछ समय से उपभोग की मजबूत प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। सितंबर तिमाही में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 0.5 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। इसकी मुख्य वजह शहरी क्षेत्र है जहां इसमें 2.6 प्रतिशत का संकुचन दर्ज हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण बाजार ने वृद्धि को बनाए रखा है, लेकिन वहां भी वृद्धि दर सिर्फ 1.5 प्रतिशत है। इससे सितंबर तिमाही में एफएमसीजी की वृद्धि मात्र 1.9 प्रतिशत रही, जो 2019 में महामारी पूर्व की औसतन 2.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम है। एमएटी पिछले 12 माह के दौरान बिक्री का कुल आंकड़ा होता है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की बेंगलुरु में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शहर बेंगलुरु में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि बेंगलुरु में संपत्ति की भारी मांग है जिसका वह लाभ लेना चाहती है। कंपनी का 2025-26 तक अपनी सालाना बिक्री बुकिंग को तीन गुना कर 20,000 करोड़ रुपए पर पहुंचाने का लक्ष्य है।

श्रेयस अय्यर ने पदार्पण टेस्ट में ही बनाये कई रिकार्ड

कानपुर। टीम इंडिया के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अय्यर डेब्यू टेस्ट की दोनो पारियों में ही शतक और अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। वह डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले 16वें भारतीय हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट की पहली पारी में श्रेयस ने शतक लगाया था। वहीं दूसरी पारी में अय्यर ने 65 रन की अहम पारी खेली। श्रेयस न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सुरिंदर अमरनाथ ने साल 1976 और एजी कृपाल सिंह ने साल 1955 में इसे हासिल किया था। अय्यर कानपुर के मैदान पर डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले यह गुंडप्पा विश्वनाथ ने साल 1969 में पदार्पण मैच में ही यहां शतक लगाया था।

विश्व के 13वें खिलाड़ी बने अय्यर

पदार्पण टेस्ट की एक पारी में शतक और एक में अर्धशतक लगाने के मामले में श्रेयस अय्यर दुनिया के 13वें खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में शीर्ष पर वेस्टइंडीज के लॉरेंस रोवे हैं। उन्होंने फरवरी 1972 में डेब्यू करते हुए पहली पारी में दोहरा शतक जमाया था। उन्होंने 214 रन बनाए थे. इसके बाद दूसरी पारी में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी। इस तरह वे पदार्पण टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे।

कोच स्टीड से सीखी स्पिन खेलने की कला : यंग

कानपुर। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने कानपुर टेस्ट में खेली अपनी शानदार 89 रनों की अर्धशतकीय पारी का का श्रेय अपने कोच गैरी स्टीड को दिया है। यंग ने अपनी पारी के दौरान 14 बार गेंद सीमारेखा के पार कराई। उन्होंने कहा कि स्टीड के साथ अपने करियर के शुरूआती दिनों में की गई कड़ी मेहनत ने उन्हें स्पिन गेंदों का डटकर सामना करने में मदद की। यंग ने कैंटरबरी क्रिकेट क्लब के साथ अपनी ट्रेनिंग की याद करते हुए कहा, एक समय ऐसा भी था जब गैरी और मैं करीब दो हफ्ते तक ट्रेनिंग कर रहे थे और इसमें से एक अभ्यास ऐसा भी था मुझे पैड के बिना ही स्वीप करना था। उन्होंने कहा, यह गेंद स्वीप करने के बारे में था, वर्ना आपको चोट लग जायेगी। इसलिए गैरी ने मुझे यह बात बताई थी और हां, इस पर स्वीप शॉट काम जारी है। चोटिल डेवोन कोनवे की जगह टीम में शामिल किए गए यंग शतक से 11 रन से रह गए।

जब एंकर ने शोएब और सानिया से पूछा भारत-पाक मैच पर सवाल

कराची। भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्ज़ा और उनके पति पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का एक विडियो सामने आया है। इस वीडियो में सानिया और शोएब एक पाकिस्तानी शो में हिस्सा लेने पहुंचे। वहां जब शो के एंकर ने सानिया से एक सवाल किया और पूछा कि आप ऐसे किन सवालों पर खफा हो जाती हैं जिसपर सानिया ने कहा कि वह बार-बार लोगों से कहती हैं कि ऐसा सवाल मत करें कि भारत-पाकिस्तान के मैच के समय वो किसका समर्थन करती हैं, ये काफी बोरिंग सवाल बन गया है। वहीं इसी बीच जब उनके पति शोएब वहां पहुंचे तो एक बार फिर एंकर ने इसी प्रकार का सवाल किया। इसपर सानिया ने भी तुरंत जवाब देते हुए कहा कि जब टेनिस में भारत-पाकिस्तान का मैच होता है तब आप किसे सपोर्ट करते हैं। जिसपर शोएब ने जवाब दिया कि मैं अपनी पत्नी का समर्थन करता हूं, लेकिन अपने देश से प्यार करता हूं जिसपर सानिया ने भी कहा कि मेरा भी यह जवाब है, ऐसे में ये सवाल मुझसे फिर मत पूछिए। सानिया और शोएब मलिक इन दिनों कराची में हैं और कई टीवी शो का हिस्सा बन रहे हैं।

ईडी ने अमेजन और फ्यूचर ग्रुप के वरिष्ठ अफसरों को समन भेज किया तलब

नई दिल्ली। देश की शीर्ष कंपनी अमेजन इंडिया और फ्यूचर ग्रुप को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी विनिमय प्रबंधन कानून (फेमा) के उल्लंघन की जांच के सिलसिले में नोटिस भेजा है जिनमें अमेजन इंडिया के कंट्री प्रमुख अमित अग्रवाल भी शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि दोनों समूहों के बीच विवादित सौदे से संबंधित फेमा जांच के सिलसिले में इन अधिकारियों को पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि इन इन कंपनी अधिकारियों को आगामी सप्ताह दस्तावेजों के साथ पेश होने को कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक, अमेजन इंडिया के प्रमुख अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही फ्यूचर ग्रुप के अधिकारियों को भी प्रवर्तन निदेशालय ने समन भेजा है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार को लेकर वाणिज्य मंत्रालय ने ईडी को %जरूरी कदम% उठाने को कहा था। इसके अलावा दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी अमेजन के बारे में सख्त टिप्पणी की थी। उसके बाद ईडी ने फेमा की विभिन्न धाराओं के तहत जांच शुरू की थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि अमेरिकी कंपनी अमेजन ने फ्यूचर ग्रुप की गैर-सूचीबद्ध इकाई के साथ कुछ समझौतों के जरिये फ्यूचर रिटेल का नियंत्रण हासिल करने का प्रयास किया जिसे फेमा और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। इस मामले की जांच कर रही एजेंसी ईडी के सूत्रों ने बताया कि इन दोनों कंपनियों के अधिकारियों को जांच को आगे ले जाने के लिए बुलाया गया है। अमेजन के एक प्रवक्ता ने समन मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी इसकी समीक्षा कर रही है और तय समय के भीतर जरूरी कदम उठाएगी। वहीं फ्यूचर ग्रुप ने इस बारे में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। दोनों ही कंपनियां फ्यूचर रिटेल की संभावित बिक्री को लेकर कानूनी लड़ाई में उलझी हुई हैं।

कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रान की आशंका से कच्चे तेल के दाम में गिरावट

एक दिन में ब्रेंट क्रूड की कीमत प्रति बैरल 72.72 डालर पहुंची, भारत में कम हो सकती है पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रान की आशंका से मची अफरातफरी से शेयर बाजार के बाद कच्चे तेल के दाम में भी गिरावट देखी गई। एक दिन में ब्रेंट क्रूड के दाम में 11.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत प्रति बैरल 72.72 डालर के स्तर पर पहुंच गई। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआइ) क्रूड के दाम में 13.1 प्रतिशत की गिरावट रही और यह प्रति बैरल 68.15 डालर के स्तर पर पहुंच गया। यूरोप और अमेरिका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सीमित करने और कुछ देशों में लाकडाउन जैसी स्थिति से अभी आगे भी कच्चे तेल के दाम में गिरावट जारी रहने की संभावना है। ऐसे में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं और महंगाई में और कमी आ सकती है। बीते शुक्रवार को कोरोना के नए वैरिएंट की वजह से भारतीय शेयर बाजार में 1688 अकं की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में भी अभी उथल-पुथल जारी रहने की आशंका है। दूसरी तरफ आगामी दो दिसंबर को आर्गनाइजेशंस आफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्ट कंट्रीज (ओपेक) के सदस्य देशों की बैठक होने वाली है, जहां तेल के उत्पादन को लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी क्योंकि भारत, अमेरिका, जापान, कोरिया, चीन जैसे देशों ने कच्चे तेल के दाम को कम करने के लिए अपने भंडारण से तेल की खपत करने का फैसला किया है। भारत और अमेरिका ओपेक से अपने उत्पादन बढ़ाने की गुजारिश कर चुके हैं ताकि कच्चे तेल के दाम में नरमी आ सके। भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत के आयात बिल में बढ़ोतरी होती है और यह भारत में महंगाई को भी हवा देने का काम करती है।

सितंबर में 1.90 करोड़ लोगों ने छोड़ा जियो, 2.47 लाख बढ़े भारती एयरटेल के ग्राहक

रिलायंस जियो से होने लगा लोगों का मोहभंग

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो से अब लोगों का मोह भंग होता दिख रहा है क्योंकि सितंबर महीने में 1.90 करोड़ लोगों ने जियो का दामन छोड़ दिया। इस दौरान तीसरी बड़ी कंपनी वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या भी 10.8 लाख घट गई, जबकि देश की दूसरी बड़ी कंपनी भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या 2.47 लाख बढ़ गई। दूरसंचार नियामक ट्राई के सितंबर महीने के टेलीफोन उपभोक्ताओं के जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2021 में रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्सा एक करोड़ 90 लाख 23 हजार 618 कम हो गई। इसके बाद उसके ग्राहकों की कुल संख्या 4।29 प्रतिशत घटकर करीब 42.5 करोड़ पर आ गई। इस दौरान वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या 10 लाख 77 हजार 806 कम होकर अर्थात 0.40 प्रतिशत घटकर करीब 27 करोड़ पर आ गई है। ग्राहक आधार पर देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भारती एयरटेल ने सितंबर 2021 में दो लाख 74 हजार 845 नये ग्राहक जोड़ने में सफल रही है। इसके बाद उसका ग्राहक आधार 0.08 प्रतिशत बढ़कर 35.4 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही सरकारी दूरसंचार कंपनियों भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के ग्राहकों की संख्या में कमी आयी है। बीएसएनएल के 0.76 प्रतिशत और एमटीएनएल के 0.14 प्रतिशत ग्राहक कम हुए हैं। ट्राई के अनुसार, देश के टेलीकॉम बाजार में निजी क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी 89.99 प्रतिशत और सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी 10.01 प्रतिशत रह गई है। सितंबर महीने में देश में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या भी 1.74 प्रतिशत घटकर 116.60 करोड़ पर आ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में अधिक कमी आ रही है।

सितंबर में शहरी क्षेत्रों में ग्राहकों की संख्या 1.92 प्रतिशत घटकर 63.8 करोड़ पर आ गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 1.53 प्रतिशत घटकर 52.8 करोड़ पर रही है। ट्राई के मुताबिक सितंबर 2021 में देश में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या इस वर्ष अगस्त की तुलना में 1.69 प्रतिशत घटकर 118.91 करोड़ पर आ गई।

रिटेलर बाजार में आपकी धाक जमाने की कवायद में जुटी रिलायंस, जमकर कर रही है खरीदारी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़े उद्यमी मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल दुनिया की शीर्ष रिटेलर बनने की कवायद में जुटी है। पिछले कुछ साल से यह हालांकि सिर्फ बायर बनकर रह गई है। रिलायंस रिटेल ने पिछले कुछ सालों में कई कंपनियों को खरीदा है। इनमें ऑनलाइन फार्मेसी नेटमेड्स, ऑनलाइन फर्नीचर रिटेलर अर्बन लैडर, डिजिटल लिंगरी सेलर जिवामे, ऑनलाइन ग्रॉसरी मिल्कबास्केट और फैशन ब्रांड ऋतु कुमार आदि शामिल हैं। हाल में ही रिलायंस रिटेल ने श्रीलंका की लिंगरी ब्रांड एमटे को खरीदा है। इन कंपनियों की खरीदारी के बल पर रिलायंस रिटेल वास्तव में दुनिया की फिजिकल स्टोर और ई-कॉमर्स कारोबार की दिग्गज कंपनी बनना चाहती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रणनीति यह है कि वह दुनिया की टॉप टेन रिटेल कंपनियों में शामिल हो। भारत की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी इस समय दुनिया में 53 वें नंबर पर है। यह बिक्री और स्टोर की संख्या के मामले में भी देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है। रिलायंस रिटेल ने मार्च 2021 में समाप्त वित्त वर्ष में 22 अरब का सालाना रेवेन्यू और 75 करोड़ का शुद्ध मुनाफा घोषित किया है। रिलायंस रिटेल अब जो रिटेलिंग के अलावा भी कई काम करना चाहती है। देश की ओवरऑल कंजप्शन स्टोरी में रिलायंस रिटेल बड़ा रोल प्ले करना चाहती है। अब कंपनी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग से लेकर हर चीज के डिस्ट्रीब्यूशन में उतरना चाहती है। इनमें फैशन से लेकर कंजूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रॉसरी प्रोडक्ट आदि शामिल हैं।

अमेजन कम्पनी द्वारा गांजा तस्करी का खुलासा कर भिण्ड पुलिस ने कसा शिकंजाः रसाल सिंह

पूर्व विधायक रसाल सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दिया धन्यवाद

भिण्ड। जिला पुलिस द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय गांजा तस्करी करने वाले गिरोह को संरक्षण दे रही अमेजन आनलाइन कम्पनी के खिलाफ शिकंजा कस कर बड़ी कामयाबी हासिल की। जिसकी वजह से जिले के हजारों युवा नशे के शिकार होने से बचाया जा सका। भिण्ड पुलिस के इस सराहनीय कार्य के लिए पूर्व विधायकए वरिष्ठ भाजपा नेता रसाल सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर प्रशंसा करते हुए प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने के लिए धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री को लिखी चिट्ठी में पूर्व विधायक रसाल सिंह ने लिखा है कि आप जानते हैं कि देश में ऑनलाइन कंपनियां स्वदेशी कारोबार के जरिए अपना शिकंजा कसती रही हैं। यही नहीं ऑनलाइन कारोबार करने वाली यह कंपनियां कारोबार की आड़ में देश के युवाओं को नशे की गिरफ्त में भी ला रही हैं। ऑनलाइन कारोबार करने वाली कंपनी अमेजन द्वारा की जा रही गांजा तस्करी के मामले में भिंड पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही न सिर्फ प्रशंसनीय है बल्कि ऑनलाइन कंपनियों के संरक्षण में मादक पदार्थों की चल रही तस्करी पर रोक लगाने में सहायक साबित हुई है । पूर्व विधायक ने लिखा है कि

सरकार और पुलिस के लिए जितना आवश्यक अपराध और अपराधियों पर लगाम कसना है। उससे कहीं ज्यादा अपराध और अपराधियों को संरक्षण देने वालों पर शिकंजा कसना है। इस मामले में मध्य प्रदेश की भिंड पुलिस द्वारा तत्परता से की गई कार्यवाही निसंदेह सराहनीय है बल्कि भिंड पुलिस का यह कदम राज्य शासन की सजगता और कानून के राज को भी दर्शाता है।

पूर्व विधायक रसाल सिंह ने चिट्ठी में कहा कि राज्य शासन के इस कदम के लिए सरकार के मुखिया होने के नाते आप धन्यवाद के पात्र हैं द्य मध्य प्रदेश सरकार का यह कदम यह भी दिखाता है कि प्रदेश सरकार अपराधों और नशाखोरी के खिलाफ पूरी सतर्कता से काम कर रही है।भिंड पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही एक संकेत है कि कैसे ऑनलाइन कंपनियां युवाओं को नशे की दलदल में धकेल कर विदेशी इशारों पर ड्रग्स युद्ध की तरफले जा रही हैं ताकि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे को तहस.नहस किया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि प्रदेश सरकार इस दिशा में कठोर कानून बनाएं जिससे इन विदेशी ऑनलाइन कंपनियों की देश में घुसपैठ को रोका जा सकेगा।

देश के 11 लोगों में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए हरेकृष्ण शर्मा आजाद वृक्ष रत्न सम्मान से होंगे सम्मानित

भिण्ड। शिकोहाबाद उत्तर प्रदेश में स्वदेशी समाज सेवा समिति द्वारा वसुंधरा श्रृंगार युवा मंडल के अध्यक्ष हरेकृष्ण शर्मा आजाद एवं उनकी पूरी टीम को 29 नवंबर 2021 को वृक्ष रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि यह सम्मान देश के किन्ही 11 लोगों को दिया जा रहा है जो पर्यावरण को लेकर अतिशयोक्तिपूर्ण कार्य कर रहे हैं जिसमें संत जयकृष्ण दास जी राष्ट्रीय अध्यक्ष यमुना रक्षक दल वृंदावन आरएन सिंह हरियाणा मुकेश नादान मेरठ उमाशंकर यादव गुजरात श्रीमती ममता नौकरिया बदायूं, प्रताप सिंह पोखरियाल, उत्तराखंड आदि शामिल है वही हरे कृष्ण शर्मा आजाद वसुंधरा श्रृंगार युवा मंडल अध्यक्ष भिंड मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत की सूची में वसुंधरा श्रृंगार युवा मंडल ने नाम लाकर मंडल का नाम ही नहीं अपितु जिले के नाम को देश के मंच पर अग्रिम किया है। समिति द्वारा वृक्ष रत्न सम्मान से दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक डॉ. अरुण प्रकाश, स्वामी हरिदास, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम भारत सरकार के सदस्य डॉ. रामकैलाश यादव, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व सदस्य प्रो.अजब सिंह यादव, समिति के प्रबधक/सचिव विवेक यादव रुद्राक्ष मैन आदि सम्मानित करेंगे।

मुख्यमंत्री के स्थित निवास पहुंचकर पूर्व विधायक शिव शंकर समाधिया ने की मुलाकात

अटेर के विकास के लिए पूर्व विधायक समाधिया ने मुख्यमंत्री चौहान का ध्यान कनेरा उत्पन्न सिंचाई योजना को संचालित करने के लिए आकर्षित कराया'

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटेर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोकतांत्रिक मीसाबंदी शिव शंकर समाधिया ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत भोपाल पहुंचे और उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं अटेर क्षेत्र के युवा विधायक मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया के स्थित दिवस पहुंचकर उनसे मुलाकात की और कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर ध्यान आकर्षित कराया। पूर्व विधायक समाधिया ने कहा कि अटेर क्षेत्र की प्रमुख सिंचाई योजना जोकि पूर्व में प्रारंभ की गई थी किन्हीं कारणवश यह पूर्ण नहीं हो पाई है इसे दोबारा प्रारंभ कर क्षेत्र क्षेत्र को विकास और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिंचाई का प्रमुख माध्यम है अगर यह योजना प्रारंभ हो जाती है तो क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा इसके लिए डॉक्टर मंत्री भदौरिया का ध्यान आकर्षित कराया और कहा कि केंद्र और राज्य सरकार से इस योजना को उन्हें प्रारंभ किया जाए ताकि कई एकड़ बंजर जमीन सिंचित हो सकेगी। पूर्व विधायक समाधिया ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मंत्री डॉक्टर भदौरिया से क्षेत्र के कई समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया कि अटेर क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी उनके साथ भाजपा

नैनो न्यूज

नारियों ने देश कोए राणाए शिवाए शेखर दिए, मान्यवर मंत्री महोदय, बोलना तो सीख लो

भिण्ड। दंदरौआधाम में इन दिनों सियपिय मिलन महोत्सव में पं. रमाकांत व्यास के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ में भक्तिए ज्ञान और वैराग्य की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। प्रतिवर्ष की भाँति डॉ.हनुमान तथा पूज्यपाद गरूदेव महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री रामदास जी के महाराज के आशीर्वाद से मण्प्ण् लेखक संघ भिण्ड द्वारा सारस्वत अनुष्ठान काव्यउजास का आयोजन राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित साहित्यकार डॉ.सुनील त्रिपाठी निराला के संयोजन व संचालन में 27 नवम्बर, शाम 7 बजे से किया गया। जिसमें लहार के रेलाकार जितेंद्र त्रिपाठी अमितए गोरमी के व्यंग्यकार डॉण्अनिल जैनए भिण्ड के किशोरीलाल बादलए ग्वालियर के बुंदेली रचनाकार डॉ.अरविंद बरुआए भिण्ड के युवा हस्ताक्षर ओज के बहतरीन कवि आशुतोष शर्मा नन्दू तथा दबोह के श्रृंगारिक कवि हेमंत जोशी नादान ने कवितापाठ किया। डॉ.निराला राजनेताओं को नसीहत देते हुए कहा, थूथरे (मुँह) को आप ढंग सेए खोलना तो सीख लो। शब्द होता ब्रह्म इसकोए तौलना तो सीख लो।। नारियों ने देश कोए राणाए शिवाए शेखर दिए, मान्यवर मंत्री महोदएए बोलना तो सीख लो। दंदरौआ धाम के रामबरन पुजारी ने आशीर्वचनए मिहोना के डॉ.ओम पचौरी ने उद्घाटन उद्बोधन तथा आचार्य पवन शास्त्री ने आभार व्यक्त करते हुए गोरमी के प्रसिद्ध लकवा विशेषज्ञ डॉ. मिश्रा, ज्योतिषाचार्य राजेन्द्र कुमार दुबे, राघव खेमरिया के साथ कवियों का शॉल, श्रीफल तथा माननिधि भेंटकर सम्मान किया।

पुरानी रंजिश के चलते 5 लोगों ने की एक युवक के साथ मारपीट

भिण्ड। असवार थाना क्षेत्र के ग्राम गिरवासा में एक युवक की पुरानी रंजिश के चलते पांच लोगों ने उसका रास्ता घेरकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उक्त आरोपीगणों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शनिवार शाम सुबह 7 बजे माखनसिंह पुत्र उम्मेदसिंह जाटव निवासी गिरवास ने बताया घर के सामने उसी गांव निवासी प्रकाश जाटव, रामदास जाटव, प्रेमसिंह जाटव, गोविन्द, प्रताप जाटव ने पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसे में वृद्ध महिला घायल

भिण्ड। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के बुटी कुईया के पास एक बस चालक ने तेज व लापरवाही से चलाते हुए वृद्ध महिला को टक्कर मार कर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों की मदत से घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर बस चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह 4.30 बजे नरेन्द्र पुत्र सोबरन सिंह जाटव निवासी मोतीसिंह का पुरा क्षेत्र के बुटी कुईया होते हुए निकल रही थी।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, ग्रामीणों ने लगाया जाम

भिण्ड। मालनपुर थाना क्षेत्र के बिजन मार्केट के सामने एक ट्रक चालक ने नाऊ की दुकान से दाढ़ी बनवाकर एक युवक जा रहा था, इसी दौरान ट्रक चालक ने लापरवाही से चलाकर उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो मौके पर पहुंचकर शव को हाइवे पर रखकर जाम लगा दिया, जिसकी सूचना पुलिस को मिलते ही मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझा कर जाम खुलवाया, जिसके बाद शव का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार रविवार शाम 4.30 बजे क्षेत्र के बिजन मार्किट सामने शुभ लाभ कंपनी के सामने एकेवीएन मार्केट से दाढ़ी बनवा कर घर की तरफ आ रहे थे सुन्दरसिंह को ट्रक क्रमांक एमपी09एचजी6029 चालक ने बैक करते समय पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुंदर सिंह राजावत पुत्र मेहताब सिंह राजावत उम्र 78 साल निवासी 19 नंबर कंपनी खुमान का पुरा सूचना मिलते ही मालनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए गोहद भिजवाया गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया उसकी जमकर धुलाई की पुलिस ने जाकर बचाया

और थाने में ले गए है। पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहां मेरे लिये राजनीति में सत्ता का मतलब सेवा है

गोरमी। भाजपा मंडल गोरमी के कार्यकर्ताओ ने आज थाना रोड स्थित मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक के आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने कहा की पीएम नरेंद मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग जो अलग अलग फील्ड में देश का नाम रोशन कर रहे है चाहें जनजाति भाई हो सैनिक हो किसान मजदूर सभी पीएम ने आजादी के अम्रत महोत्सव पर बधाई दी एवम कहा की देश की उन्नति तरक्की में सबका अपना अपना योगदान है पीएम मोदी ने कोरोना अभी गया नही है इस पर भी चर्चा कीइसके बाद पीएम ने कहा की राजनीति सत्ता या पद के लिये नही कर रहा बल्कि समाजसेवा के लिये ये सबसे अच्छा माध्यम है। मन की बात कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक मंडल महामंत्री निर्मल आर्य, पटेल यादव, मंडल उपाध्यक्ष धुर्व शर्मा, जयवीर पुरोहित, दिनेश यादव, मोनू शर्मा, दिनेश श्रीवास, अरविंद जैन, राहुल कटारे आदि मौजूद थे।

पुरातत्व विभाग ने बंद की आंख

गोहद। एयूनेस्को द्वारा चयनित की सात धरोहरों में शामिल गोहद किला जिसके लिए विभिन्न चरणों मे स्वीकृति राशि जो अब करोड़ी में है उसे पुरातत्व विभाग की मिली भगत से बंदरबांट किया जा रहा है यहाँ पूर्व में हथियापोर मंदिर के सामने की दीवार निर्माण के चंद दिनों में ही धरायशी हो गई वही पुरानी कचहरी के पीछे मैदान की बाउंड्री के साथ मैदान पर चारो ओर पथ बनाया गया था जिसका आधार मजबूत न होने से धरायशी हो गया है गोहद का किला छेत्र के साथ ही देश प्रदेश में अपनी पहचान रखता यहाँ दिवलो पर की गई नक्काशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है इसी विशिष्ट पहचान के चलते यूनेस्को ने देश की प्रमुख स्मारकों में शामिल किया इस किले को सुरक्षित रखने के लिए पिछले दश वर्ष से यहाँ बजट स्वीकृत किया जा रहा है इसका श्रेय पूर्वमंत्री लालसिह आर्य को भी जाता है जिनके प्रयासों से पुरातत्व विभाग ने विशेष रुचि ली और गोहद आकर गोहद किले को सच्छिंत करने के लिए विशेष योजना तैयार की चूंकि गोहद किले के निर्माण पुरातत्व विभाग द्वारा किया जा रहा है इसका कार्यालय ग्वालियर व भोपाल में है टेंडर प्रक्रिया भी वही से होती है।

इनका कहना: गोहद किले का सौंदर्य पुनः वापस आये ऐसा मेरा प्रयास था मेरे द्वारा बजट भी स्वीकृति कराया है में जानकारी लेता हूं।

लालसिह आर्य पूर्वमंत्री मध्यप्रदेश शासन

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा संविधान गौरव दिवस भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

शहर के वार्ड क्रमांक 4 भीम नगर पहुंच कर बाबा साहब की प्रतिमा की साफसफाई की और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। गौरव दिवस के दूसरे दिन 27 नवंबर को माल्यार्पण मेहगांव निर्मल आर्य प्रभारी सह प्रभारी, अभिलाख जाटव मंडल स्तर पर कमल पुष्प अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

समाधान दिवस पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री वरिष्ठ एडवोकेट आरवी सिंह बघेल ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अपने संविधान में रचना कर समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कियास कांग्रेस ने बाबा साहब को सांसद नहीं बनने दिया और भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य की सरकार ने उनके सारे स्मारकों को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी धर्म सिंह भार्गव, कार्यक्रम के प्रभारी भानु प्रताप जयंती, सुभाष मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया, टीपू पूर्व, सुनील कौशल, शेखर खटीक, सज्जन सिंह नरवरिया, नीरज सविता, रामनरेश जाटव, रॉकी कौशल, मोनू कौशल, सुनील शाक्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान की रचना कर समाज को आत्मनिर्भर की दिशा में जोड़ने का कार्य कियाः आरवी सिंह बघेल'

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य के निर्देश व मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव के मार्गदर्शन में भिंड भाजपा जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर की सहमति से जिला संयोजक मनोज अनन्त जिला सहसंयोजक भानु जयंत ने 11 सूत्रीय कार्यक्रम 26 नवंबर से 6 दिसम्बर तक पूरे जिले में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सभी कार्यकर्ता अयोध्या बस्ती भिंड

नकली दूध कारोबार पर छापामार कार्यवाही, बड़े पैमाने पर मिलावटी दूध और घी जप्त

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्र मानपुरा में नकली दूध का कारोबार चल रहा था। भिंड पुलिस और फूड सेफ्टी अफसरों ने छापामार कार्रवाई की। यहां पुलिस व फूड सेफ्टी अफसरों ने करीब पांच हजार लीटर नकली दूध जब्त किया। इसके अलावा बड़ी मात्रा में केमिकल भी मिला। फूड सेफ्टी अफसर रीना बंसल के मुताबिक देहात थाना क्षेत्र में नकली दूध तैयार होने की जानकारी पर छापामार कार्रवाई की। यहां से सर्वेश नरवरिया और संतोष नरवरिया की डेयरी पर छापामार तो बड़ी तादाद में नकली दूध तैयार करने वाला केमिकल समेत अन्य सामग्री मिली।

मौके पर ये हुआ जब्त

पुलिस के मुताबिक मौके पर 5 हजार लीटर मिलावटी दूध जब्त किया गया। इसके अलावा

पुलिस को मौके पर 300 किग्रा. क्रीम, 100 किग्रा. मिलावटी घी, पाम आयल, 6 कट्टा माल्टोस पाउडर, 10 लीटर एथेनॉल, 50 लीटर घुला हुआ केमिकल, 10 लीटर शैम्पू जैसा पदार्थ जब्त किया। छापामार कार्रवाई में एक पिकअप वाहन एक टैम्पो भी बरामद हुआ। यह मिलावट खोर टैम्पों से भिंड व ग्वालियर मिलावटी दूध व घी तैयार करके बेचते थे।

असली दूध से बनाता था नकली दूध

मानपुरा गांव में मिलावटी दूध व घी को केमिकल से तैयार करते हैं। यहां पर पहले कारोबारी असली दूध से क्रीम निकालते थे फिर उसमें शैम्पू जैसा केमिकल समेत अन्य केमिकल से असली दूध से सेंथेटिक दूध तैयार करते थे। पुलिस यहां सौ लीटर दूध से दो सौ लीटर तैयार करते थे। यहां तैयार घी व अन्य

दुग्ध प्रोडेक्ट को दूसरे शहरों तक तक बेचा जाता था। इस मामले में पुलिस जांच के बाद डेयरी मालिक पर एफआइआर दर्ज करने की बात कह रही है।

कानून केंद्र का जबाबदारी राज्य की ?

केंद्र सरकार ने मृतक किसानों को मुआवजा देने तथा तीन कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन के दौरान, किसानों के उपर अपराधिक मामलों को खत्म करने का ठीकरा, राज्य सरकारों के सिर पर फोड़कर अपने दायित्व से बचने का प्रयास किया जा रहा है। इससे राज्य सरकारों एवं केंद्र सरकार के बीच तल्खी दिखने लगी है। केंद्र सरकार ने 3 कृषि कानूनों को बनाया था। केंद्र सरकार के कानूनों का पालन कराना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना भी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। केंद्र सरकार के बनाए गए कानूनों के कारण पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश राजस्थान सहित कई राज्यों में केंद्र सरकार के कानूनों के खिलाफ किसानों ने आंदोलन किए। शांतिपूर्ण आंदोलन के दौरान ठंड, गर्मी और वारिश में सैकड़ों किसानों की मौत आंदोलन के दौरान हुई। लखीमपुरखीरी में तो प्रदर्शनकारी किसानों को रौद दिया गया। किसानों के आंदोलन को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकारों को बल प्रयोग करना पड़े। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों को प्रतिबंध कानून लागू करना पड़ा। प्रतिबंधित कानूनों का उल्लघंन करने पर किसानों के उपर अपराधिक मामलें कई राज्यों में दर्ज किए गए हैं। लगभग एक वर्ष बाद केंद्र सरकार, किसानों के आंदोलन को देखते हुए तीनों कृषि कानूनों को खत्म कर रही है। एसी स्थिति में आंदोलन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई है। उन किसानों के परिवारों को मुआबजा की राशि केंद्र सरकार को देना चाहिए। यह आंदोलन कई राज्यों में फैला था। अपराधिक मामले भी किसानों के खिलाफ कई राज्यों में दर्ज है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार को समान मुआवजा देने तथा अपराधिक मामलों को वापिस लेने की पहल करना चाहिए। केंद्र सरकार राज्यों के उपर जिम्मेदारी डालकर अपने दायित्वों से बचने का प्रयास कर रही है। इससे किसान संगठनों की नाराजी स्पष्ट रुप से देखने को मिलने लगी है। वहीं राज्य सरकारें भी केंद्र के पल्ला झाड़ लेने से नाराजी व्यक्त कर रही है। केंद्र सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीरता के साथ निर्णय लेना चाहिए। किसानों को सरकारों की कथनी-करनी में विश्वास नहीं रहा। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार को अपनी साख और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए किसानों का विश्वास जीतने तथा सभी राज्य सरकारों से समन्वय बनाने का प्रयास करना चाहिए।

लिटमस टेस्ट बनेंगे अगले विधानसभा चुनाव

ऋतुपर्ण दवे

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अगले चन्द हफ्तों में होने जा रहे 5 राज्यों के चुनावों के साथ फिर से इलेक्शन मोड में आ गया है। सच कहें तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहाँ हर साल बल्कि हमेशा कहीं न कहीं और कोई न कोई चुनाव होते ही रहते हैं। इन पर होने वाले भारी, भरकम खर्च के लिहाज से भले ही लोगों की अलग-अलग राय हो लेकिन जनता के द्वारा जनता के हाथों, जनता की हर स्तर की सरकार बनाने की जो रीत अपने देश में है, सच में अनूठी है और दुनिया के कई दूसरे देशों के लिए आश्चर्य और विश्वास का विषय भी। कई मौकों पर तानाशाही के आरोपों के घिरी मजबूत और दंभी सरकारों को इसी लोकतंत्र ने न केवल गिराकर दिखाया बल्कि सक्षम या बहुमत के हाथों में सत्ता की कमान न पहुँच पाने के चलते जल्दी-जल्दी और जबरदस्त उलट-पलट का दौर भी देखा। शायद भारत ही इकलौता ऐसा लोकतांत्रिक गणतंत्र है जहाँ बहुमत, अल्पमत और मिली-जुली सरकारों के हाथों में भी सुरक्षित जनतंत्र के सच पर कभी आँच तक नहीं दिखी। सरकार के फैसलों को बदलने के लिए आन्दोलनों की जो रवायत भारत में है, शायद ऐसी कहीं न होगी। बस यही खूबी भारत को दुनिया से अलग करती है और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों व स्थानीय क्षत्रपों की पैनी और कई बार दूषित निगाहों के बावजूद कभी भी लोकतंत्र पर जरा सी भी आँच न आने देने का सच ही भारत की महाशक्ति और दुनिया की उभरती ताकत का अहसास कराता है।

साल भर से चल रहे किसान आन्दोलन और इसके चलते तीनों कृषि कानूनों की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने के बाद विशेषकर उत्तर प्रदेश और पंजाब पर सबकी खास निगाहें हैं। दरअसल कृषि कानूनों को लेकर सबसे ज्यादा असर पंजाब व उत्तर प्रदेश में पड़ेगा ऐसा माना जा रहा है। पूर्ण बहुमत की दूसरे टर्म की मोदी सरकार के लिए 2022 की शुरुआत में उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर विधानसभा चुनावों के नतीजे लिटमस टेस्ट सरीखे होंगे। माना जा रहा है कि दो बड़े राज्य उप्र उसमें भी विशेषकर पश्चिमी उप्र और पंजाब किसान बहुल और किसान राजनीति के बड़े केन्द्र हैं। इन्हीं राज्यों की किसी न किसी रूप में पूरे देश में कोई न कोई छाप दिख ही जाती है। ऐसे में साल भर से चल रहा किसान आन्दोलन चिन्ता का सबब तो बनना ही था। अब कथित किसान विरोधी तीनों कृषि कानून समाप्ति को लेकर कैबिनेट की मुहर के बाद भी आन्दोलन की ठण्डी न पड़ती आग से एक अलग चिंगारी उठती दिख रही है। जाहिर है नरेन्द्र मोदी के लिए दोनों आम चुनावों जैसे सकारात्मक बल्कि कहें एकतरफा माहौल के बीच एक अकेला यह आन्दोलन ही चुनौती दिख रहा हो ऐसा नहीं है। कोविड-19 के बुरे दौर और लगातार अर्थव्यवस्था पर पड़ते जोर खासकर पेट्रोलियम पदार्थों की बेलगाम कीमतों और खाद्य पदार्थों की बेतहाशा मँहगाई ने ही नरेन्द्र मोदी जैसे दृढ़ इच्छा शक्ति और कड़े फैसले लेने वाले को तीनों कृषि कानूनों की वापसी खातिर मजबूर किया हो। इसके पीछे के तर्क-कुतर्क अलग राजनीतिक बहस के मुद्दा हो सकते हैं। लेकिन सच यही है कि बतौर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कृषि कानूनों की वापसी का कार्ड कितना सटीक होगा यह उत्तर प्रदेश और पंजाब में 2022 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव नतीजे ही बताएँगे।

भाजपा के अन्दरखाने में भी इस वापसी पर जबरदस्त क्रिया-प्रतिक्रिया तो समझ आ रही है लेकिन बाहर ज्यादा सुगबुगाहट दिख नहीं रही है। हालांकि मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्र में मंत्री रह चुकीं उमा भारती जो अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं ने दो टूक कहकर सबको चकित जरूर कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि ÷हमारे प्रधानमंत्री ने जब तीनों कृषि क़ानूनों की वापसी की घोषणा की तो मैं अवाक रह गई और व्यथित हूँ। इसलिए 3 दिन बाद प्रतिक्रिया दे रही हूँ। कृषि कानूनों की महत्ता नहीं समझा पाना हम सब कार्यकर्ताओं की कमीं है। हम क्यूँ नहीं किसानों से ठीक से सम्पर्क एवं संवाद कर पाए? मोदी जी बहुत गहरी सोच एवं समस्या की जड़ को समझने

वाले प्रधानमंत्री हैं। भारत की जनता और मोदी जी का आपस का समन्वय, विश्व के राजनीतिक, लोकतांत्रिक इतिहास में अभूतपूर्व है। कृषि कानूनों के संबंध में विपक्ष के निरंतर दुष्प्रचार का सामना भी हम नहीं कर सके। लेकिन मेरे नेता ने क़ानूनों को वापस लेते हुए भी अपनी महानता स्थापित की है।÷यकीनन कहीं न कहीं हवा के रुख को भांपा गया है।

कृषि कानूनों की वापसी के पहले 30 अक्टूबर को हुए उपचुनावों के नतीजे भी काफी हैरान करने वाले रहे। जिसमें 14 राज्यों के 3 लोकसभा और 29 विधानसभा उपचुनावों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों को 15 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट पर जीत मिली। वहीं 14 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटें राजनीतिक विरोधियों के खाते में चली गईं। हो सकता है कि इसका ईमानदार विश्लेषण किया गया हो? प्रधानमंत्री मोदी ने बिना झिझक सच्चाई को स्वीकारा हो और कृषि कानूनों की वापसी के फैसले पर अपने बेलाग अन्दाज से ही बड़ा संदेश दिया हो? यह बात अलग है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे। लेकिन फिलाहाल भारतीय राजनीति में भूचाल जैसी स्थिति जरूर आ गई है। इधर किसान भी झुकते नहीं दिख रहे हैं। संसद के आगामी सत्र में कानून वापसी के बाद राजनीति की क्या दिशा होगी यह पूर्वानुमान बेमानी होगा। किसान इसे अपनी जीत समझ रहे हैं तो, विपक्षी सरकार की हार मान रहे हैं। वहीं सरकार इसे अपनी उदारता बता रही है। कुल मिलाकर सारा कुछ फिर उसी लोकतंत्र की कसौटी पर कसने के लिए तैयार दिख रहा है जिसकी दुंदुभी अगले बरस की शुरुआत में 5 राज्यों के चुनाव से बजेगी। इसके लिए वक्त बहुत कम है लेकिन धड़कनें सबकी बढ़ी हुई हैं।

राजनीति पण्डितों ने 30 अक्टूबर के उपचुनावों को बड़ा संकेत माना है लेकिन जब इन कृषि कानूनों का मामला सुप्रीम कोर्ट गया था तो उसने कानूनों की संवैधानिक वैधता जांचे बिना उनके अमल पर रोक लगा बहुत बड़ा बल्कि कहें क्रान्तिकारी कदम उठाया और तय किया कि कानून की वैधता जांचे बिना किसान संगठनों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जाए लेकिन किसान नहीं गए। इस पर एटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल की तत्काल प्रतिक्रिया भी आई थी जिसमें उन्होंने इसे गलत परंपरा बताते हुए कहा था कि सर्वोच्च अदालत कोई पंचाट नहीं है एक संवैधानिक अदालत है जिसे अपने अधिकार के दायरे में ही रहकर काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की कमेटी भी बनाई लेकिन किसानों ने वहाँ भी जाना उचित नहीं समझा। हालाकि कमेटी आठ महीने पहले रिपोर्ट सौंप दी चुकी है जिसे न तो सार्वजनिक किया गया न ही सुनवाई हुई।

अब इन्हीं कानूनों की वापसी कर प्रधानमंत्री ने भी बड़ा दाँव जरूर फेंक दिया है। शह और मात की राजनीति के खेल में 5 राज्यों के चुनाव के बाद गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है। कृषि कानूनों से इतर ममता बनर्जी की सफलता और अब केन्द्र में निगाह और पूर्वोत्तर राज्यों पर दाँव तो अरविन्द केजरीवाल का कई राज्यों पर पासा, उत्तर प्रदेश में सपा, आरएलडी व अन्य छोटे-छोटे दलों का गठबन्धन तो पूर्वोत्तर में नई संभावनाएँ के बीच देश की भूख मिटाने वाले किसानों का मुद्दा सबसे अहम होने के बावजूद भाजपा के लिए किसान आन्दोलन और बढ़ती मंहगाई देश भर में प्रभाव डालने वाले कदम लग रहे हैं।

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे। एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए। अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही।

श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

मैथिली रामायण चन्द्रा झा कृत में श्रीराम से युद्ध में विजय प्राप्ति हेतु शुक्राचार्य की रावण को मंत्र दीक्षा भारत में अतीत तक सम्पूर्ण उत्तर भारत की एक ही भाषा थी। आज भी वैसा ही है। समय के चक्र के साथ धीरे-धीरे वैभाषिक अन्तर बढ़ते गए और आज से लगभग हजार वर्ष पहले आधुनिक स्थानीय भाषाओं का उद्भव एवं विकास हुआ। बिहार राज्य के पूर्वोत्तर कोने में गंगा, गंडक और कोसी नदियों से घिरे विशाल क्षेत्र की भाषा मैथिली है। इसी मैथिली भाषा में कवीश्वर श्री चन्द्रा झा ने मैथिली रामायण की रचना कर इस भाषा के श्रेष्ठतम रचयिता के रूप में ख्याति प्राप्त की है। मैथिली भाषा की अपनी एक अलग लिपि है जो %तिरहुता' मिथिलाक्षर या मैथिली लिपि कहलाती है। इसकी लिपि पर बंगला भाषा का आभास प्रतीत होता है क्योंकि बंगला भाषा की तरह यह भी कोण बहुल है, जबकि देवनागरी भाषा वृत्तबहुल है। चन्द्रा झा ने अपनी इस रामायण का आधार अध्यात्म रामायण बनाया तथा कई प्रसंगों में गो. तुलसीदासजी कृत श्रीरामचरितमानस को भी ग्रहण कर रचना की है। चन्द्रा झा मैथिली भाषा जगत के प्रकाश स्तम्भ के रूप में आज भी प्रसिद्ध है।

प्रस्तुत प्रसंग इस मैथिली रामायण की विशेषताओं में से एक है। अत- अल्पज्ञात होने से सुधीजनों के भक्ति ज्ञान आदि हेतु दिया जा रहा है। लंकाकांड के अध्याय दस में इसका अपूर्व उल्लेख है। लक्ष्मणजी द्वारा मेघनाद का वध कर दिया जाता है तब रावण ने मन से हार मान ली। किन्तु उसका अहंकारी स्वभाव नहीं हारा तब-

शुक्रक निकट गेला अति दीन। बद्धाञ्जलि राजस रस हीन।।

शुक्र पुच्छल कहु नृप लंकेश। कोन हेतु अयलहुँ एहि देश।।

श ा र -ज ज ्ज र अतिकृशतर काय। कियक रहत अछिवदन सुखाय।।

कयल प्रणाम विनत शत बार। कहल दशानन शोक अपार।।

(चन्द्र झा कृत मैथिली रामायण युद्धकाण्ड अध्याय 10-3-4-5-6)

इस कारण वह अत्यन्त ही दीन होकर, राज्य के सुख से विरक्त हो हाथ जोड़कर राक्षसों के कुल गुरु शुक्राचार्य के पास गया। शुक्राचार्य ने उससे पूछा, %कहिए लंकेश रावण, आप मेरे यहाँ किस प्रयोजन से पधारे? आपका शरीर तो श्रीराम के तीरों से क्षत-विक्षत हो गया है। आप अत्यन्त ही क्षीणकाय हो गए हैं। आप का मुख क्यों सुख रहा है? अत्यन्त ही विनयपूर्वक सौ बार प्रणाम करके रावण ने अपने अपार दुःख का वृत्तान्त सुनाया और कहा अभी तो एकमात्र यह बात कहनी है कि अब राक्षसों का वंश नहीं बचने वाला है। मैं युद्ध करते-करते थक गया हूँ। अब मुझे जीवित रहने का कोई मार्ग दिखाई नहीं दे रहा है। श्रीराम अब राक्षसों के लिए यम बनकर आ गए हैं। आपकी उपस्थिति में राक्षसों की पराजय हो रही है। यह बड़े आश्चर्य की बात है। यह सुनकर शुक्राचार्य ने रावण से कहा कि मैं तुम्हें एक मन्त्र देता हूँ। यदि यह मन्त्र तुमने सिद्ध कर लिया तो तुम इस कष्ट और चिन्ता से मुक्त हो जाओगे। इसके बाद यम का दूत तो क्या इन्द्र भी तुम्हारा कुछ बिगाड़ नहीं कर सकेंगे। आप गुप्त रूप से जाकर ऐसा हवन कुण्ड तैयार करो कि वानरों एवं देवताओं को इसका पता नहीं चलना चाहिए।

होमकुण्ड आगिक उठ वाह। तेहि सौ उतपति रथ रथवाह।।

नाना अस्त्र शस्त्र बहराय। तखन चलब रण-ध्वज फहराय।।

अजर अमर रह गय सभ काल। करु गय दीक्षा विधि प्रतिपाल।।

(चन्दा झा कृत मैथिली रामायण लंकाकाण्ड अध्याय 10-14-15-16)

शुक्राचार्य ने रावण से कहा कि इस हवन कुण्ड से आग की ज्वाला निकलेगी, उससे एक रथ और एक सारथि भी उत्पन्न होगा। तरह-तरह के अस्त्र-शस्त्र भी निकलेंगे। तब आप श्रीराम से युद्ध करने के लिए निकल पड़ना। आप चलते समय अपनी ध्वजा फहराते चलोगे। साथ ही साथ इसके प्रभाव से तुम सदा अजर-अमर रहोगे। अब दीक्षा का विधान पूरा करो। याद रहे कि बीच में कोई विघ्न न पड़े।

योरोप व अरब मुल्कों की खैर खबर...!

सूडोकु नवताल- 5906

✱✲✲✲✲ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5905 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

नईम कुरेशी

ग्वालियर भारत का एक प्राचीन शहरों में से खास है। यहाँ महाभारतकाल से लेकर पाण्डवों की माता रानी कुंती के घर से लेकर कोहेनूर हीरे तक की चमक व भगवान श्रीकृष्ण के आने जाने के तमाम प्रमाण हैं। यहाँ के महान लोगों में वीर कर्ण से लेकर राजा मानसिंह तोमर, अमर गायक तानसेन व उनके गुरु मोहम्मद गौस साहब का ये नामचीन शहर है। यहाँ सिंधिया शासकों ने इसे खूब सजाया व संवारा है। इस शहर के एक पुलिस अफसर परिवार के परवेज खान जी ने ÷यूरोप व खाड़ी देशों÷ नाकर शीर्षक से एक शानदार किताब लिखकर यहाँ के लोगों को सुखद अनुभव कराया है।

किताबें आम लोगों को न सिर्फ ज्ञान परोसती आई हैं बल्कि उन्हें इंसानी जज्बा व समाज का आइना भी वो हमें दिखाती आई हैं। विश्व प्रसिद्ध बाबरनामे में 3-4 पेजों में ग्वालियर का जिक्र करके मुगल बादशाह ने ग्वालियर के महान संगीतकार व शासक मानसिंह को दुनियाभर में मशहूर कर दिया। उसी जमीन से किताब के लेखक भाई परवेज खान आते हैं। इस किताब में बड़ी सरल भाषा शैली में लेखक ने रोमन बादशाहों, इस्लाम के उदय, ईसू मसीह और ईसाई धर्म का सफलता से बखान किया है। परवेज खान ने अपना दर्जन भर देशों का देसाटन बड़े हैरत अंगेज शब्दों में किया है, लगता नहीं है वो नये लेखक हैं।

उनका आभामण्डल विस्तृत व गहरा समझा जा सकता है। एक अर्थशास्त्र का छात्र इतनी गहरी लेखन व इतिहास में समझ रखेगा ये हैरत है। किताब जरूर छोटी है 116 पेज की पर इसमें गहरी जानकारियाँ योरोपीय देशों व इस्लामिक देशों पर होना तमाम आँकड़ों के साथ बड़ी बात लगी। मदीना, बगदाद का भी अच्छा जिक्र कर लेखक ने इस्लामी सभ्यता, कल्चर व वहां की सियासी व मजहबी आम जानकारियाँ परोसी हैं, लगता नहीं लेखक पुलिस वाले हैं व उसका एक बड़ा अफसर भी है। परवेज एक दशक तक व्ही.आई.पी. सुरक्षा व न्यायालय की सुरक्षा में तैनात रहे। वो मशहूर पत्रकार राकेश पाठक के बचपन के मित्र रहे हैं जो उनकी लेखन कौशल से पता चल जाता है। गल्फ देशों के बारे में कि वो 22 हैं, 40 करोड़ आबादी है, 50 लाख वर्गमील का इलाका इसमें आता है ये हमें भी इसी किताब से पता चला। मैने अपने जीवन में इतनी सरल अभी तक काफी कम देखी हैं। शम्भूदयाल गुरु से लेकर हरिहरनिवास द्विवेदी की तमाम पुस्तकें पढ़ने के बाद परवेज की पुस्तक मुझे ज्ञानवर्धक व छोटी जरूर पर प्रभावित करने वाली लगी।

इसके प्रकाशक भाई अशोक पाण्डे जो खुद भी बड़े लेखकों में शुमार हैं। इस पुस्तक के लिये अच्छा प्रयास किया है। अशोक जी का कश्मीरनाम भी एक बड़ी व ज्ञानवर्धक ग्रंथ के तौर पर देखी व सुनी गई। परवेज की किताब में इस्लाम के एक खास खलीफा हजरत अलि से लेकर उनके निजाम की गहरी व संवेदनशील जानकारियाँ दी गई हैं। इस किताब के लेखक का शुमार गुलेरी जैसे लेखक से मैं करना चाहता हूँ जिनकी महज दो कहानियों से उन्हें शोहरत मिल गई थी। परवेज को भी ÷यूरोप व खाड़ी

के देश÷ से ये ऊँचाई मिल सकेगी ऐसी मेरी कामना है। किताब में फोटो रंगीन होते तो कुछ और बेहतर होता। चीनी सभ्यता पर जो उन्होंने लिखा वैसा अन्य योरोपी देशों पर भी लिखा जाना चाहिये था। लिखा है पर काफी कम फिर भी ये सब कुछ बेहतर नहीं शानदार है। इस्लाम की सादगी पर जरूर ठीक जानकारी दी गई है, बौद्ध धर्म पर भी होना चाहिये था।

भारत में गरीबों की कितनी दुर्दशा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत में गरीबों की हालत कितनी शर्मनाक है। आजादी के 74 वर्षों में भारत में अमीरी तो बढ़ी है लेकिन वह मुट्ठीभर लोगों और मुट्ठीभर जिलों तक ही पहुंची है। आज भी भारत में गरीबों की संख्या दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। हमारे देश के कई जिले ऐसे हैं, जिनमें आधे से ज्यादा लोगों को पेट भर रोटी भी नहीं मिलती। वे दवा के अभाव में ही दम तोड़ देते हैं। वे क ख ग भी न लिख सकते हैं न पढ़ सकते हैं। मैंने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ आदिवासी जिलों में लोगों को नग्न और अर्ध-नग्न अवस्था में घूमते हुए भी देखा है। रंगराजन आयोग का मानना था कि गांवों में जिसे 972 रु. और शहरों में जिसे 1407 रु. प्रति माह से ज्यादा मिलते हैं, वह गरीबी रेखा से ऊपर है। वाह क्या बात है? यदि इन आंकड़ों को रोजाना आमदनी के हिसाब से देखें तो 30 रु. और 50 रु. रोज भी नहीं बनते हैं। इतने रुपए रोज़ में आज किसी गाय या भैंस को पालना भी मुश्किल है। दूसरे शब्दों में भारत के गरीब की जिंदगी पशुओं से भी बदतर है। विश्व भर के 193 देशोंवाली गरीबी नापनेवाली संस्था का कहना है कि यदि गरीबों की आमदनी इससे भी ज्यादा हो जाए तो भी उसने जो 12 मानदंड बनाए हैं, उनके हिसाब से वे गरीब ही माने जाएंगे, क्योंकि कोरी बढ़ी हुई आमदनी उन्हें न तो पर्याप्त स्वास्थ्य-सुविधा, शिक्षा, सफाई, भोजन, स्वच्छ पानी, बिजली, घर आदि मुहय्या करवा पाएगी और न ही उन्हें एक सभ्य इंसान की जिंदगी जीने का मौका दे पाएगी। दूसरे शब्दों में व्यक्तिगत आमदनी के साथ-साथ जब तक पर्याप्त राजकीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी, नागरिक लोग संतोष और सम्मान का जीवन नहीं जी सकेंगे। सभी सरकारें ये सब सुविधाएं बांटने का काम भी करती रहती हैं। उनका मुख्य लक्ष्य तो इन सुविधाओं की आड़ में वोट बटोरना ही होता है लेकिन जब तक भारत में बौद्धिक श्रम और शारीरिक श्रम का भेदभाव नहीं घटेगा, यहां गरीबी खम ठोकती रहेगी। शिक्षा और चिकित्सा, ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जो नागरिकों के मष्तिष्क और शरीर को सबल बनाते हैं। जब तक ये सबको सहज और मुफ्त न मिलें, हमारा देश कभी भी सबल, संपन्न और समतामूलक नहीं बन सकता। ऊपर दिए गए आंकड़ों के आधार पर आज भी आधे से ज्यादा बिहार, एक-तिहाई से ज्यादा झारखंड और उप्र तथा लगभग 1/3 म.प्र. और मेघालय गरीबी में डूबे हुए हैं। यदि विश्व गरीबी मापन संस्था के मानदंडों पर हम पूरे भारत को कसे तो हमें मालूम पड़ेगा कि भारत के 140 करोड़ लोगों में से लगभग 100 करोड़ लोग वंचितों, गरीबों, कमजोरों और जरुरतमंदों की श्रेणी में रखे जा सकते हैं।

शनिश्चरी अमावस्या 4 दिसम्बर को, ऐंती पर्वत पर लगेगा विशाल मेला

मुरैना। 4 दिसम्बर को शनिश्चारी अमावस्या का महायोग है, इसदिन लोग पूजा, अनुष्ठान, दान पुष्य करके अपने कष्टो का निवारण करते है। शनिश्चरी अमावस्या पर मुरैना विकासखण्ड के ग्राम ऐंती पर विशाल मेला आयोजित होगा। विशाल मेला को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन व कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने व्यवस्थाओं को मूर्तरूप देने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी है। शनि का प्रभाव मानव जीवन में अच्छे से अच्छा तथा बुरे से बुरा देखने को मिलता है। उच्च का एवं स्वग्रही का शनि राज योग का कारक होता है। नीच का व शत्रु स्थान का शनि मनुष्य का अधोगति को ले जाता है। शनि के अनिष्ट फल में कर्जा एवं दरिद्रता मानव को ग्रसित करती है। जन्म पत्रिका के दशम एवं एकादश भाव का शनि शुभ फल कारक होता है। अन्य भावों में अशुभ फल कारक होता है।

भगवान शनिदेव की स्थापना के विषय में कई किवदंतियां कायम है। हालांकि पुरातत्व विभाग इसे त्रेतायुगीन मानता है। भगवान शनिदेव की प्रतिमा के विषय में ज्योतिषियों के अनुसार सर्वप्रथम किवदंति यह है कि त्रेतायुग में राजा दशरथ के राज्य में भगवान शनिदेव के प्रकोप से लगातार 12 वर्ष तक अकाल पड़ा। तब राजा दशरथ ने इस पर्वत पर भगवान शनि की तपस्या की। उस समय आसमान से एक उल्कापिण्ड गिरा जिससे यह प्रतिमा निर्मित हुई है। वहीं दूसरी किवदंति यह भी है कि लंका दहन के समय हनुमान जी द्वारा लंका में आग लगाई गई, लेकिन लंका जल नहीं रही थी, बल्कि उसका स्वर्ण और चमक गया। इससे चिंतित हनुमान जी ने दिव्य शक्ति से जब ज्ञात किया तो उन्हें पता चला कि लंका में शनिदेव हैं। हनुमान जी ने उन्हें खोज निकाला। रावण ने शनिदेव को अपने सिंहासन के पैरों तले दबा रखा था। हनुमान जी ने उन्हें अपने बुद्धचातुर्य से वहां से निकाला और लंका से जाने को कहा, लेकिन थोड़ी दूर तक चलने के बाद शनिदेव ने हनुमान जी से कहा कि दुर्बलता के कारण वह चल नहीं सकते और जब तक वह लंका में रहेंगे तब तक लंका का दहन नहीं हो पायेगा। इसलिये हनुमान जी उन्हें पूरे बेग से उत्तर दिशा की ओर फेंके, तब हनुमान जी ने भी ऐसा ही किया। हनुमान जी द्वारा फेंके गये शनिदेव इस पर्वत पर आकर गिरे, जिसे आज शनि पर्वत कहा जाता है, यहीं पर भगवान शनिदेव ने घोर तपस्या कर पुनः शक्ति व बल प्राप्त किया। इस विषय में एक अन्य कथा यह भी प्रचलित है कि रावण ने इसी पर्वत पर शनिदेव की तपस्या कर उन्हें अपने वश में कर लिया और लंका में ले गया। लंका में जब मेघनाथ का जन्म होने वाला था तब रावण ने शनिदेव से कहा कि वह अपने आठवे घर में जाकर बैठ जायें, लेकिन शनिदेव ने अपना पैर सांतवे घर में रख दिया इससे शनि दो घरों के स्वामी हो गये। जन्म कुण्डली में सातवे घर में शनिदेव के होने पर जातक की अकाल मृत्यु होती है। मेघनाथ के जन्म का चक्र देखकर रावण क्रोधित हो गया और शनिदेव को अपने सिंहासन के नीचे उस स्थान पर दबा दिया, जहां रावण पैर रखता था। इन किवदंतियों के चलते भी पुरातत्व विभाग इस प्रतिमा को त्रेतायुगीन मानता है। हालांकि इस प्रतिमा की स्थापना महाराजा विक्रमादित्य द्वारा की गई। ऐसा पुरातत्व विभाग मानता है। इस मंदिर का जीर्णोद्धार सिंधिया शासकों ने सन् 1808 में कराया था। इस शनि पर्वत क्षेत्र से ही 18वीं सदी में सिंधिया शासकों द्वारा एक सिला ले जाई गई, यह सिला पहले अहमद नगर फिर वहां से शिगनापुर पहुंची और एक चबूतरे पर स्थापित हो गई। इस स्थान का नाम ही शनि शिगनापुर हो गया। बताया जाता है कि इस सिला का आधा भाग आज भी मुरैना के शनि मंदिर में रखा हुआ है। मुरैना जिले के त्रेतायुगीन शनि मंदिर के चारों तरफ हजारों किलो मीटर दूर तक सरसों की होने वाली फसल को शनिदेव की ही कृपा माना जाता है। राजस्थान के धौलपुर, करौली, राजाखेड़ा, सरमथुरा, उत्तरप्रदेश के आगरा, इटावा तथा मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के चारों तरफ के क्षेत्र भिण्ड, श्योपुर, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी में सरसों की फसल को प्रमुख रूप से किया जाता है। इस क्षेत्र को पीले सोने की खेती का क्षेत्र भी कहा जाता है।

शनि यंत्र व मंत्र

ॐ शं शनैश्चराय नमः, ॐ सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्षः, शिवप्रियः, मंदचार प्रसन्नात्मा पीडां हरतु में शनिः, ॐ निलांजन समाभासं रवि पुत्रं यमाग्रजं। छाया मार्तण्डसंभूतं। तं नमामि शनैश्चरम। ॐ शमग्रिभिः, करच्छन्नः, स्तपतु सूर्यः, शंवातोवा त्वरय अपस्निग्धाः, ॐ प्रां प्री प्रौं सः, शनैश्चराय नमः है।

शनिदेव की तेल से तृप्ति

हनुमान जी रामकथा के प्रेमी हैं। जहां पर रामकथा हो वहां वे सूक्ष्य रूप में अवश्य उपस्थित रहते हैं। एक बार हनुमानजी अपनी सुध-बुध खोये हुऐ हुए दशा में भक्तगणों के साथ रामकथा पर झूमते हुये शनिदेव ने देखा तो परीक्षा लेने की इच्छा से उन्होंने हनुमान जी से कहा कि मैं वीर और शक्तिशाली सूर्य का पुत्र व शिवभक्त हूं। कायरता छोडकर निडर होकर मेरे साथ युद्ध करो, मैं तुम्हे युद्ध के लिये ललकारता हूं। हनुमानजी ने शनिदेव की ललकार को स्वीकार कर अपनी पूंछ बढ़ाई और अहंकार से भरे शनिदेव को उसमें कस लिया। जिससे शनिदेव पूरी तरह बेवस व असहाय हो गये। इसी समय हनुमान जी ने कहा कि हे शनिदेव मेरी रामसेतु की परिक्रमा का वक्त हो गया, इसके पूर्ण होने के बाद मैं अपनी चुनौती का सामना करने के लिये प्रस्तुत हो पाऊंगा। इतना कहकर हनुमान जी दौड़कर परिक्रमा करने लगे। पूछ से बंधे शनिदेव पत्थरों व शिलाखण्डों से रगड़ खाकर लहूलुहान होकर घायल हो गए। उनकी अंतर पुकार सुन भक्तों को सुख देने वाले हनुमान जी ने कहा कि मैं तुम्हें मुक्त कर दूंगा, पर मेरे भक्तों को दुःख न पहुंचाने का वचन दो। शनिदेव ने वचन देते हुये उसे निभाने की प्रतिज्ञा भी की। शरीर की असहाय पीढ़ा से दुःखी शनिदेव उसी दिन से तेल मांगने लगे और तेल दाता पर प्रसन्न होकर आशीर्वाद देने लगे।

धरती के न्यायाधीश शनि

इस श्रृष्टि के संचालन में सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, राहू, केतु, शनि सहित 9 शक्तियां हैं, जो मानव व प्राणी मात्र को उनके पूर्व कर्मानुसार भाग्य का निर्माण कर उसे सुख-दुख देकर शुद्ध करते हैं। अच्छे बुरे कर्मो का फल देते हैं। इसमें 8 न्यायाधीश और एक सर्वोच्च न्यायाधीश है। सर्वोच्च न्यायाधीश पद पर शनि को नियुक्त किया गया है। भगवान शंकर ने यमराज को मनुष्य के कर्मों का लेखा-जोखा तथा शनिदेव को धरती पर जीवों को उनके अनुचित कर्मों का दण्ड कार्य सौंपा है। अपने गुरू की आज्ञा को शिरोधार्य कर शनिदेव पृथ्वी वासियों को उनके कर्मानुसार दण्डित व पुरस्कृत करने का कार्य करते हैं।

शनि की उत्पत्ति

धर्मग्रन्थों के अनुसार सूर्य की द्वितीय पत्नी छाया के गर्भ से शनिदेव का जन्म हुआ। शनि के श्याम वर्णन को देखकर सूर्य ने अपनी पत्नी छाया पर आरोप लगाया कि शनि मेरा पुत्र नहीं है, तभी से शनि अपने पिता से शत्रुभाव रखता है। शनिदेव ने अपनी साधना, तपस्या द्वारा शिवजी को प्रसन्न कर अपने पिता सूर्यदेव की भांति शक्ति प्राप्त कीं। शिवजी के वरदान मांगने पर उन्होंने अपने माता के दुःख, अपमान व प्रताडना के विषय में व्यक्त करते हुए कहा कि माता की इच्छा है कि मेरा पुत्र अपने पिता से अपमान का बदला ले और उनसे भी ज्यादा शक्तिशाली बने। इस पर भगवान शंकर ने उन्हें नवगृहों में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करते हुए कहा कि मानव तो क्या देवता भी तुम्हारे नाम से भयभीत रहेंगे।

शनिदेव का परिचय

पिता- सूर्यदेव, माता- छाया (सुवर्णा), भाई- यमराज, बहन- यमुना, गुरू-भगवान शिवजी, रंग- श्याम (नीला), स्वभाव- गंभीर, त्यागी, तपस्वी, हठी, क्रोधी, शनि के अन्य नाम- कोणस्थल, पिंगल, बभ्रु, सौरी, शनैश्वर, कृष्णमंद, रौद्र, अंतक, यम, दोस्त- काल भेरव, बुध, राहू, हनुमान जी, अधिपती- रात, प्रिय दिन- शनिवार, तिथि-अमावस, प्रिय वस्तुऐं- काली वस्तुऐं, काला कपड़ा, काला तिल, तेल, गुड़, काली उड़द।

अजाक्स छात्र संघ ने किया प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

मुरैना। अजाक्स छात्र संघ जौरा ब्लॉक में प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें मुरैना, जौरा, कैलारस सबलगढ़ ब्लॉक के छात्र और छात्राओ ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लिया तथा एग्जाम को सफल बनाया। अजाक्स छात्र संघ द्वारा इस परीक्षा का आयोजन किए जाने का उद्देश्य यह था कि जिससे बच्चों के अंदर पढ़ाई के प्रति जागरूकता आए, साथ ही इस परीक्षा से बच्चों के अंदर उत्साह और जोश उत्पन हो। इस दौरान सभी बच्चों ने बोर्ड एग्जाम में अच्छा स्कोर लाने के लिए कहा। प्रतिभा खोज परीक्षा के सफल आयोजन में दिनेश सिंह डण्डोतिया जिला अध्यक्ष अजाक्स छात्र संघ जिला मुरैना और साथ में जिला उपाध्यक्ष आशीष नागोरिया, इंजी प्रिंस गौरव सर संचालक आइडियल इंस्टिट्यूट जौरा, जिला सचिव छात्र संघ जिला मुरैना शैलेंद्र खरे सर, अनिल खरे सर संचालक एनटीएस इंस्टीट्यूट मुरैना, शहर अध्यक्ष राहुल खरे, ब्लॉक अध्यक्ष रिंकू जाटव जौरा, ब्लॉक अध्यक्ष सौरव कोटरी कैलारस, ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र जोनबर सबलगढ़, ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष जौरा पुष्पेंद्र सिंह अमर, धीरसिंह खरे संचालक एनटीएस इंस्टीट्यूट मुरैना एवं अन्य साथी गण उपस्थित रहे तथा एग्जाम को सफल बनाने के लिय पूर्ण सहयोग दिया।

स्वाथ्य केन्द्र में एनिमिया मुक्त भारत बनाने के लिए लगा कैम्प

कैलारस। स्वाथ्य केन्द्र कैलारस में एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए केम्प लगाया गया। बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा ने बताया कि एल्केम लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एनिमिया मुक्त भारत के तहत आज स्वाथ्य केंद्र कैलारस में एप्पल वेन के द्वारा कैम्प लगाकर स्वाथ्य परीक्षण किया जा रहा हैं, जिसमें गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन, बीपी, सुगर की जांच कर, बजन लिए गए। वहीं एल्केम कंपनी के एम आर विनोद शिवहरे ने बताया कि एनिमिया मुक्ति मुहिम के तहत हमारी कंपनी एल्केम लैबोरेट्री प्राइवेट लिमिटेड द्वारा महिलाओं की निशुल्क जांच कर उनको सेनेटरी पैड एवं मास्क बितरण किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा, डॉ ए के गुप्ता, एल्केम टीम के मैनेजर भरत साहू, एम आर विनोद शिवहरे, चक्रवर्ती शर्मा हैड ऑफिस मुबंई उपस्थित रहे।

वीरमपुर देवस्थल पर श्रीमद भागवत कथा आरम्भ

कैलारस। ग्राम वीरमपुर के भूमिया बाबा के मंदिर पर श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ संत मुरारी दास जी महाराज (सुरेश पुजारी) एवं सकल पंच द्वारा आयोजित की गई, जिसमें आचार्य बालेंदु शास्त्री द्वारा कथा का अमृत पान

बिक्री की गई जमीन को बेचने की फिराक में युवक के खिलाफ थाने में दिया आवेदन

अम्बाह। युवक कांग्रेस के नेता हिमांशु अग्रवाल पुत्र अनिल कुमार अग्रवाल निवासी पोरसा चौराहा ने पुलिस को एक आवेदन दिया है जिसमें बताया है कि उनकी ग्राम इनानकी की भूमि सर्वे क्रं. 37 रकवा 0.320 हैं एवं सर्वे क्रं. 38 रकवा 0.450 हैं। उक्त भूमि को उन्होंने फरियाद शाह पुत्र सलीम शाह से बाजारू मूल्य 63 लाख रूपये में से 60 लाख रूपये एडवांस के रूप में उसके पिता सलीम शाह सहित अन्य परिजन अलीम शाह, फैजा शाह, छोटू शाह, श्रीमती सोनम शाह पत्नी फरियाद शाह के समक्ष देकर खरीदा था और जिस पर हमने एक माह के अन्दर विक्रय पत्र कराने का वायदा किया था। इस संबंध में फरियाद शाह ने मुझ प्रार्थी के हक में एक लिखित अनुबंध पत्र / विक्रय पत्र 17 नवम्बर 2021 को किया है किंतु अब फरियाद उक्त भूमि को अन्य लोगो को विक्रय करने जगह-जगह घूम रहा है।

रोटरी क्लब द्वारा आयोजित दीपावली मिलन में वृन्दावन के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

मुरैना। शहर के जीवाजी गंज स्थित नवल किशोर सेवासदन में 27 नवंबर को रोटरी क्लब चम्बल द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें क्लब के करीब 52 सदस्यों ने परिवार सहित सहभहगिता दी। दीपावली मिलन के इस आयोजन में क्लब के सभी सदस्यों को परिवार सहित मुलाकात करने एवं एक दूसरे को जानने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख आकर्षण वृन्दावन से आये कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समा बांध दिया। कलाकारों द्वारा श्री कृष्ण राधा के स्वरूप में रास, नृत्य एवं फूलों की होली की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब चम्बल के जीएसआर एवं बरिष्ठ सदस्य सीताराम गर्ग की 40वी शादी की सालगिरह भी मनाई गई। श्रीमती एवं श्री गर्ग ने कार्यक्रम में शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में केक काटा व सभी सदस्यों ने परिवार सहित सीताराम गर्ग को शादी की सालगिरह की बधाईया दी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3053 के

सह प्रान्तपाल श्री विमल भार्गव परिवार सहित धौलपुर से पधारे। कार्यक्रम का सफल संचालन अमित जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गेम्स एवं डांस प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें श्रीमती जुगल वर्मा एवं कु अविन्था सागर विजयी रही, विजेताओं को सह प्रान्तपाल एवं क्लब जीएसआर द्वारा ईनाम दिया गया, कार्यक्रम के उपरांत क्लब के सभी सदस्यों एवं अतिथियों ने परिवार सहित स्वरूचि भोज का आनंद लिया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब चम्बल से सीताराम गर्ग, आनंद गुप्ता (अध्यक्ष), आकाश चाँदिल, रामू बंसल (कार्यक्रम संयोजक), नीरज बांदिल, अभय परमार, सौरव गुलाटी, सुनील चावला, तिजेंद्र खेडा, प्रिंस गोयल, अंशुल गोयल, अनिल शिवहरे, आशु श्रीवास्तव, कौशल सिंघल, रवि सिंघल, राहुल गर्ग, मयंक सेठी, पवन अग्रवाल, आर डी मंगल, जुगल वर्मा, कुशल वर्मा आदि सदस्य उपस्थित हुए।

विश्व शांति की कामना के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का हुआ समापन

बाजार में निकली विशाल रथयात्रा भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हुआ आकाश

अम्बाह। परम पूज्य आचार्य श्री विन्रम सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य पंडित वर्धमान शौर्या के मार्गदर्शन में श्री महावीर जिनालय चुंगी नाका रोड पर चल रहे श्री 1008 भगवान आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में रविवार को महोत्सव के आखरी दिन तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक दिवस आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया । वहीं 12.30 बजे से जिनबिम्ब रथ महोत्सव का आयोजन किया गया,

जिसमें आस्था का अपार जनसैलाव उमड पडा, यह रथ यात्रा जैन बगीची से प्रारंभ होकर किला चौराहा, जयश्वर रोड, नगर पालिका चौराहा, मुरैना रोड होते हुए श्री महावीर जिनालय चुंगी नाका पर पहुंची, जहां पर नवनिर्मित बेदी में प्रतिमाओं का महा मस्तकाभिषेक किया गया। इस अवसर पर सुदीप जैन गुडगांव ने अपने परिवार के साथ भगवान का अभिषेक व अन्य श्रद्धालुओं ने भी इस पुण्य कार्य में सहभागिता की।

चिकित्सालय के लिए एक करोड़ से अधिक राशि हुई एकत्रित

पंचकल्याणक महोत्सव में हुए अनेक कार्यक्रम

मुरैना। श्री 1008 मज्जिनेन्द्र ऋषभदेव जिनविम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत रविवार को तमाम कार्यक्रम आयोजित हुए और जन बंधुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इधर जैन बगीची में निर्माणाधीन चिकित्सालय के लिए अब तक 1 करोड़ से अधिक की राशि एकत्रित हो गई है जिसमें अंबाह मुरैना के अलावा बाहर के जैन बंधुओं द्वारा बढ़-चढ़कर दान दिया जा रहा है।

रविवार को जीवाजीगंज अग्रसेन पार्क में पंचकल्याणक महोत्सव के तहत सुबह से ही कार्यक्रम आरंभ हो गए। जैन मुनि गणों के सानिध्य में पूरे श्रद्धा भाव एवं मंत्रोचार के साथ तप कल्याणक महोत्सव, नित्याभिषेक, शांतिधारा, ज्ञानकल्याणक पूजन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात

आचार्य जी के प्रवचन हुए जिनका श्रोताओं ने भरपूर लाभ उठाया। तत्पश्चात महामुनिराज ऋषभसागर की आहारचर्या ज्ञानकल्याणक की आंतरिक क्रियाएं, सामान्य ज्ञान परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। रविवार की दोपहर सूर्य मन्त्र, प्राण प्रतिष्ठा, समोशरण की रचना, समोशरण से भगवान की दिव्यध्वनि का कार्यक्रम हुआ। शाम के समय गुरू भक्ति एवं आरती, शास्त्र सभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। केदार जैन समाज द्वारा पाठक बाहर जैन भक्ति में गत दिवस लोकार्पण हुए चिकित्सालय निर्माण के लिए जैन बंधुओं द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, जिसके तहत अभी तक 1 करोड़ से अधिक की राशि एकत्रित कर ली गई है। राशि देने वालों में अजय कुमार मनीष कुमार जैन अंबाह 5 लाख 11 हजार रुपए, दिलीप कुमार निश्चय कुमार जैन दिल्ली दो लाख 51 हजार, दिनेश कुमार मनीष कुमार बरैया 1 लाख 11 हजार, विमल कुमार विनीत कुमार तिलक एक लाख 11 हजार, राधेलाल ताराचंद जैन अजमेर 1 लाख 11 हजार, मुकेश कुमार अनिकेत कुमार जैन ग्वालियर 1 लाख एक हजार एवं रविन्द्र कुमार सौरव कुमार जैन गौसपुर वाले ने 1 लाख रुपए सहित अनेकों दानदाताओं ने दान दिए हैं।

महिलाओं के लिए अभद्र टिप्पणी करने वाले बिसाहूलाल को मंत्री पद से हटाया जाए : पंकज त्रिपाठी

महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है वह हमारी माँ, बहिन, बेटियाँ हैं

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। सवर्ण समाज सेवा संस्थान मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंकज त्रिपाठी(पत्रकार) ने मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री बिसाहूलाल द्वारा महिलाओं के खिलाफ दिये बयान की कड़ी निंदा की है।क्षत्रिय महिलाओं के लिये मंत्री ने जो बयान दिया वह बहुत ही निंदनीय है। नारी शक्ति ,नारी का सम्मान हमारे देश की पहिचान है।मंत्री बिसाहूलाल सत्ता के नशे में चूर होकर अपनी मर्यादा भूल गये,और महिलाओं के लिए बहुत ही निंदनीय बयान दिया।जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। क्षत्रिय महिलाओं के खिलाफ बयान देने बाले मंत्री बिसाहूलाल को मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल से बर्खास्त करे। जिससे आगे भी कोई मंत्री सत्ता के नशे में किसी के भी खिलाफ कोई गलत बयान न दे। अन्यथा आगामी चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।सवर्ण समाज महिलाओं के सम्मान मे करणी सेना व क्षत्रिय,ब्राह्मण समाज के साथ मिलकर हर लड़ाई लड़ने को तैयार है। किसी भी समाज की महिलाओ का अपमान बर्दाशत नही किया जा सकता।

महिलाओं के सम्मान में सवर्ण समाज मैदान में

हमारे देश में नारी शक्ति का बहुत ही सम्मान है।नारीशक्ति के सम्मान के लिये जहाँ भी सवर्ण समाज की आवश्यकता होगी,सवर्ण समाज वहां सहयोग ही नही बल्कि नारीशक्ति का अपमान करने वाले व्यक्ति की ईट से ईट बजा देगा। सवर्ण समाज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से महिलाओं के लिए अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री बिसाहुलाल को बर्खास्त करने की मांग करता है।अगर बिसाहुलाल को मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया गया तो सवर्ण समाज आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा। बयान की निंदा करने और इस्तीफ़ा की मांग करने वालों में सवर्ण समाज सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं अंतराष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी(पत्रकार),अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा नेता सन्तोष सिंह भदौरिया, संजीव शर्मा,उमाकांत शर्मा, राजेन्द्र सिंह चौहान,शिववीर सिंह भदौरिया,नीरज त्रिपाठी, संजय सिंह चौहान,ब्रजेश सिंह भदौरिया,विवेक पाण्डे,अरुण शुक्ला,करणी सेना नेता वीरू सेंगर, हरिओम सिंह भदौरिया,वीरेन्द्र शर्मा आदि।

आज शाम 4ः00 बजे आएंगे युवराज सिंधिया मेहगांव में होगा भव्य स्वागत

बृजपाल सिंह गुर्जर रिपोर्टर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहगांव । भारत सरकार के केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र युवराज महान आर्यमन सिंधिया आज भिण्ड आ रहे है ,वह भारतीय जनता पार्टी के बरिष्ठ नेता डॉक्टर रमेश दुबे की सुपुत्री के बिबाह समारोह में शामिल होने के लिए एक दिवसीय प्रवास पर भिण्ड पधार रहे हैं युवराज सिंधिया के भिण्ड नगर आगमन को लेकर उनके स्वागत समारोह को भारती जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व सिंधिया समर्थको ने स्वागत समारोह को भव्य बनाने की तैयारीयां शुरू कर दी हैं मेहगांव राज्य मंत्री ओ पी एस भदौरिया जो महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक हैं उनके के प्रिय भतीजे डॉक्टर भारत सिंह उर्फ रिंकू भदौरिया ने बताया की मेहगांव विधानसभा के लिए गर्व की बात है जो आज महाराज महा आर्यन सिंधिया जी आज शाम 4 बजे पधारेंगे हम उनका स्वागत वंदन अभिनंदन करते हैं स्वागत की जोरदार तैयारी राज्यमंत्री ओ पी एस भदोरिया के नेतृत्व में की जा रही है ग्वालियर से लेकर मेहगांव तक होर्डिंग बैनर से रोड को सजा दिया गया है विधायक प्रतिनिधि डॉक्टर भारत सिंह उर्फ रिंकू भदौरिया ने मेहगांव विधानसभा के जनता से अधिक से अधिक संख्या में मेहगांव रेस्ट हाउस पर पहुंचने की अपील की इसी कडी मे ग्राम पंचायत कन्हारी के पूर्व सरपंच अनिल राजोरिया सुपुत्र स्व0 महेश रारौरिया ने युवराज सिंधिया के स्वागत के लिए ग्वालियर से लेकर मेहगांव तक नेशनल हाइवे पर होर्डिंग पोस्टर लगाए है, मेहगांव नगर को होर्डिंग पोस्टरों से भव्य रूप से सजाया जा रहा है, अभी तक ज्योतिरादित्य सिंधिया का नेताओ द्वारा भव्य स्वागत समारोह किया जाता था लेकिन अब युवराज सिंधिया का यह प्रथम नगर आगमन है।

वन-टू-वन

सेवडा विधायक ने नगर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा का किया रसपान एवं कथा वाचक से आशीर्वाद

विवेक सेन रिपोर्टर

पुष्पांजली टुडे

इंदरगढ़ नगर के राजराजेश्वरी माता मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आज शनिवार देर शाम सेवड़ा विधायक घनश्याम सिंह नेकथा स्थल पर पहुंचकर कथा वाचक से आशीर्वाद लिया एवं कथा सुनी कथा व्यास एवं समिति की सदस्यों ने विधायक का फूल माला पहनाकर स्वागत किया अपने संबोधन में कहा कि इंदरगढ़ नगरी हमेशा धार्मिक आयोजन के लिए आगे रहता है नगर हिंदू मुस्लिम भाईचारे सद्भाव आदर्श केंद्र रहा है यहां के लोग हमेशा एक दूसरे की मदद कर विशाल धार्मिक आयोजन किए जाते हैं इस मौके पर चरणदास केलारे संतोष चौधरी बीके जाटव ब्लॉक अध्यक्ष बच्चों कुशवाह बनवाली साहू कथा पारीछत रामस्वरूप साहू सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुशवाह समाज ने मनाया महात्मा ज्योतिवा फुले जी परिनिर्वाण दिवस

अनिल कुशवाह ब्यूरो

पुष्पांजली टुडे

शिबपुरी–खबर कुशवाह धर्मशाला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी साइंस कॉलेज के पास से आ रही है जहा पर आज कुशवाह समाज के लोगो ने समाज के महा पुरुष रहे महात्मा ज्योतिवा फुले जी की 131वी पुण्यतिथि को परिनिर्वाण दिवस के रूप मैं मनाया और महात्मा ज्योतिवा फुले जी के विचारों को अपने जीवन मैं उतारने का संकल्प लिया और समाज की महिलाओ की शिक्षत करने पर जोर दिया समाज के सभी वरिष्ठ लोगो ने इस अवसर पर उदबोदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुशवाह महासभा के जिलाध्यक्ष अबदेश कुशवाहने बताया कि महात्मा ज्योतिवा फुले जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर हम अपने समाज के लोगो को शिक्षत बनो संगठित रहो और आगे बढ़ो का नारा देते हुए कहा कि यदि शहद से मीठे परिणाम चाहिए तो मधुमखियो की तरह एकता के साथ रहना सिखो जिससे समाज को कभी किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े कार्यक्रम के संचालन कर रहे एडवोकेट मानसिंह कुशवाह ने समाज के लोगो कानून की जानकारी देते हुए अधिकारों को लेने की बात कही है।

मैसूर में 66 वां.कन्नड राज्योत्सव मनाया

नारायण लाल ब्यूरो

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु– जयनगर में द बलिजा संघम के तत्वावधान में 66 वां. कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया द्य सर्व प्रथम मां

भुवनेश्वरी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई द्य कन्नड़ ध्वज फ़हराया गया द्य इस अवसर पर समाजसेवी बनूर महेन्द्र सिंह राजपुरोहित, बलिजा संघम की गौरव अध्यक्ष मीना तुगदीप श्रीनिवास,अध्यक्ष विजय संपत, उपाध्यक्ष यतीराज व चिन्नास्वामी, सचिव लिंगराजू,जेपी महेश नायडू,कोषाध्यक्ष मंजूनाथ, निदेशक योगेश,हेमंत कुमार, गोविंदराज,रामचंद्र, दामोदर, जी.मंजूनाथ आदि उपस्थित रहे द्य

तनवी महेंद्र पटेल ने कराते स्पर्धा में जिता स्वर्ण पदक

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । महाराष्ट्र कराते एसोसिएशन द्वारा आयोजित 42 वी राज्यस्तरीय कराते चेपियनशिप 2021-22 ज़ो की पनवेल मुंबई मे दिनांक 18 एवं19 दिसम्बर को होने जा रही हैं जिस हेतु गोंदिया जिले के इंदिरा गाँधी स्टेडियम मे दिनांक 28 नवंबर 2021 को कराते चयन स्पर्धा ली गई। जिसके आयोजक सेंसई विशाल सिंग ठाकुर, सेंसई दीपक सिक्का सेंसई रविना बरेले थे। वहीं मुख्य रेफरी सेंसई अतुल बोरकर, सेंसई गणेश्वर चौधरी थे। इस टूर्नामेंट की शुरुवात हनुमान जी की पूजा के साथ वहा उपस्थित खिलाड़ियों के अभिभावक गण के हस्ते शुरू की गई। इस प्रतियोगिता में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट के पुर्व उपाध्यक्ष ग्राम पंचायत दहेगांव के पुर्व सरपंच एवं पंवार समाज संगठन लांजी के अध्यक्ष महेन्द्र पटेल की छोटी बेटी तनवी महेंद्र पटेल ने भी हिस्सा लिया। जिसमें तनवी ने गोल्ड मेडल हासिल किया।कुमिते?(फाइट)मे 6साल के आयु वर्ग से लेकर 18 साल के ऊपर तक मे गोल्ड मैडल अश्वि वासनिक, विशाख बनसोडे, कुश फुंडे,कल्याणी राव, शौर्य संपला, अन्वीषिका वासनिक,ओमकार बनसोडे, अंजलि बघेले, जिया मेथीया, एंजेलों डेविड, चेतना ठाकुर, तन्वी पटेल, मधुश्री राव, आयुष बघेले, यश मेश्राम, मनीषा सहारे, याशिका परमार, हर्ष बाघे, ओम, जयप्रकाश कटरे, अमन बबनट, पीयूष गुप्ता, राशि परतेती ने जीता।इन सभी विजयी खिलाड़ियों को मेडल देकर सेंसई रीना चौहान व पालकगण ने सम्मानित किया। चयन स्पर्धा को सफल बनाने मे निखिल बरबटे,नीरज नायडू,अक्षय,तनुश्री कापसे रविना मासूरकर, रुपाली आदी ने सहयोग किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से पूर्व विधायक शिवशंकर समाधिया ने मुलाकात की

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटेर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोकतांत्रिक मीसाबंदी शिव शंकर समाधिया ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत भोपाल पहुंचे और उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं अटेर क्षेत्र के युवा विधायक मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया के स्थित दिवस पहुंचकर उनसे मुलाकात की और कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर ध्यान आकर्षित कराया पूर्व विधायक समाधिया ने कहा कि अटेर क्षेत्र की प्रमुख सिंचाई योजना जोकि पूर्व में प्रारंभ की गई थी किन्हीं कारणवश यह पूर्ण नहीं हो पाई है इसे दोबारा प्रारंभ कर क्षेत्र क्षेत्र को विकास और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिंचाई का प्रमुख माध्यम है अगर यह योजना प्रारंभ हो जाती है तो क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा।

सीरवी समाज महासभा कर्नाटक अभिनंदन सामोरह संपन्न हुआ

नारायणलाल सैणचा ब्यूरो

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरु–सीरवी समाज महासभा कर्नाटक ट्रस्ट की ओर से रविवार को सुबह 10 बजे एक दिवसीय बैंगलोर प्रवास के दौरान सीरवी समाज महासभा कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह बेंगलूर एस.एस.आर ले आऊट वडेर में आयोजित किया गया ।सामारोह में मुख्य अतिथी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद ओमप्रकाश माथुर, मारवाड़ जंक्शन के पूर्व विधायक केसाराम चौधरी, पाली पूर्व सांसद पुष्प जैन ,जिला परिषद सदस्य पूनाराम सीरवी का स्वागत किया गया ।इस अवसर पर कर्नाटक महासभा सचिव लक्ष्मणराम आगलेचा, कर्नाटक महासभा उपाध्यक्ष फाउलाल परिहारिया , सहसचिव हेमाराम भायल,सहसचिव सुरेश बर्फा हासन, मिडिया प्रभारी कैलाश बर्फा,बलेपेट वडेर अध्यक्ष सोभाराम सोयल सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे।

क्षत्रिय खंगार समाज की मीटिंग हुई संपन्न जिसमें क्षत्रिय खंगार के नव युवक श्याम सिंह परिहार को नव युक्त क्षत्रिय खंगार अध्यक्ष नियुक्त किया

हरिओम परिहार रिपोर्टर

पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी । क्षत्रिय खंगार समाज की मीटिंग हुई संपन्न जिसमें क्षत्रिय खंगार नव युक्त क्षत्रिय खंगार समाज के श्याम सिंह परिहार को क्षत्रिय खंगार समाज का अध्यक्ष बनाया गया जिसमें क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ एवं दूर-दराज से आए हुए क्षत्रिय खंगार समाज द्वारा श्याम सिंह परिहार को अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिसमें भारी तादात में क्षत्रिय खंगार समाज के लोग एकत्रित हुए और कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जिसमें मीटिंग के दौरान सभी क्षत्रिय खंगार समाज में अपने अपने विचार और सुझाव रखे जिसके चलते महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिसमें क्षत्रिय खंगार समाज द्वारा श्याम सिंह परिहार के लिए क्षत्रिय खंगार समाज के अध्यक्ष नियुक्त किया और साथी ही क्षत्रिय खंगार समाज के द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें कई वरिष्ठ

क्षत्रिय खंगार समाज से मुख्य रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एवं उपस्थित रहे और अन्नकूट भंडारा भी किया गया जिसमें सभी लोगों ने भोजन प्रसादी की और मुख्य रूप से सभी उपस्थित रहे चिंता हरण मंदिर शिवपुरी

इस दिन होगा स्कपंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान, आयोग ने सचिवों को लेकर जारी किये निर्देश

पंचायत सचिव का पद भी आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन में शामिल किया जाना चाहिए

केशब प्रसाद शर्मा

पुष्पांजली टुडे

भोपाल । मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। माना जा रहा कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। इसी बीच राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश देते हुए उनसे कुछ जानकारी मांगी है। इसके अलावा 4 साल से अधिक समय तक एक ही जगह पर तैनात पंचायत सचिव को हटाने के निर्देश राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को जारी किए हैं।

मामले में राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि प्रदेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित हो ।इसके लिए पंचायत सचिव का पद भी आचार संहिता के कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। जिसके लिए 4 साल से एक ही जगह पर प्रदेश पंचायत सचिवों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग के सचिव बीएस जमोद ने निर्देश दिए है कि राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग से कहा है कि वे अपने मूल स्थानों या एक ही स्थान पर चार साल से अधिक समय से तैनात पंचायत सचिवों को स्थानांतरण दें। यह कार्रवाई तब हुई है जब परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत ने 3 नवंबर को कुछ पंचायत सचिवों के खिलाफ शिकायत की थी। तब तक, राज्य के चुनाव अधिकारियों को यकीन नहीं था कि चुनाव प्रक्रिया के तहत पंचायत सचिवों को हटाया जा सकता है। जमोद ने कहा विचार-विमर्श के बाद, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए, पंचायत सचिव का पद भी आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन में शामिल किया जाना चाहिए

इससे पहले परिवहन मंत्री राजपूत ने मांग की थी कि पंचायत सचिवों के अलावा रोजगार सहायकों को भी आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाया जाए. राजपूत ने मांग की थी कि उन्हें भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए स्थानांतरित किया जाना चाहिए। एसईसी कार्यालय में एक बैठक हुई जिसके बाद यह निर्णय लिया गया कि पंचायत सचिवों को आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाया जा सकता है। नतीजतन, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग को कर्मियों को उनके मूल स्थानों से स्थानांतरित करने के निर्देश जारी किए गए।

वही ग्राम स्वराज संशोधन अध्यादेश 2021 के परिपेक्ष में जिन पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो गया है ऐसे सभी जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सचिव सरपंच और पंच की पदों की जानकारी कलेक्टर द्वारा मांगी गई है वहीं कलेक्टरों को यह जानकारी ऑनलाइन भेजने को कहा गया है। निर्देश के मुताबिक सभी जिला कलेक्टरों को 30 नवंबर तक की जानकारी आयोग को उपलब्ध करानी है। वहीं मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर केंद्रों के भौतिक सत्यापन निर्वाचन नामावली को जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में प्रदेश में पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है।

वन-टू-वन

सडक हादसा देख रुके मंत्री विश्वास सारंग, अपने वाहन से भेजा अस्पताल

भोपाल। राजधानी के गोविंदपुरा इलाके में अन्ना नगर सिक्योरिटी लाइन पर रविवार दोपहर दो वाहनो की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिस समय यह एक्सीडेंट हुआ, उसी समय वहां से मंत्री विश्वास सारंग गुजर रहे थे। सडक पर पडे घायल युवक को देख उन्?होंने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और घायल युवक को अपने वाहन से इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार अन्ना नगर के सिक्योरिटी लाइन के पास दो बाइको की आमने सामने टक्कर हो गई। बताया गया है कि दोनों बाईक सवार काफी तेज रफ्तार मे थे। हादसे मे एक बाइक सवार युवक को काफी चोट आई। उसी समय वहां से गुजर रहे चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने अपना काफिला सड़क पर रुकवाया और सड़क पर खून से लथपथ पड़े युवक को तुरंत ही अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। घटनास्थल पर घायल युवक के परिजन भी पहुचं गए थे, जिन्हे मंत्री ने ढाढंस बधाया।

राजगढ से आये युवक को अज्ञात वाहन ने रौदा, मौके पर ही मौत

भोपाल। राजधानी के पिपलानी थाना इलाके में काम के सिलसिले मे दूसरे शहर से आये युवक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। दर्दनाक हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। थाना पुलिस ने बताया कि राजगढ़ जिले के सुथालिया थाना इलाके के सोनाल गांव मे रहने वाले 25 वर्षीय बलराम उर्फ बेन सिंह पुत्र शिवलाल बंजारा अपने किसी काम से भोपाल आये थे। शुक्रवार देर रात रत्नागिरी चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने बलराम की बाइक को टक्कर मार दी, इस हादसे मे वो गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिये गायत्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी हालत लगातार नाजूक होती गई आखिरकार बीती रात उसने दम तोड दिया। अस्पताल से मिली सूचन पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम मृतक की बाइक को टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश मे जुट गई है।

मेक्सिको के जाकाटेकस प्रांत में गोलिबारी में आठ लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के ज़ाकाटेकस प्रांत में हिंसक वारदात की दो घटनाओं में आठ लोगों की जान चली गई है। राज्य अभियोजकों ने शनिवार को कहा कि वालपराइसो नगर के पास हुई गोलीबारी वाली जगहों से वाहन एवं बंदूकें बरामद की गई हैं। यह जगह जलिस्को राज्य से लगने वाली सीमा के पास है। जलिस्को और सिनालोआ कार्टेल (मादक पदार्थ उत्पादक समूह) के बीच हुई लड़ाई में बंदूकधारी मारे गए। नेशनल गार्ड और सैनिकों ने गोलीबारी के खिलाफ कार्रवाई की, लेकिन मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। शुक्रवार देर रात गोलीबारी की घटना, ज़ाकाटेकस में एक राजमार्ग पर हवाई पुल से तीन शव लटके पाए जाने के बाद हुई, जहां पिछले सप्ताह 10 अन्य शव पाए गए थे, जिनमें से नौ एक पुल से लटके हुए थे। बुधवार को, मेक्सिको की सेना ने घोषणा की कि वह जाकाटेकस को जंगी जहाज भेजेगी। सिनालोआ और जलिस्को न्यू जनरेशन समूह राज्य पर अपना-अपना नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जो मादक पदार्थों के लिए एक प्रमुख पारगमन बिंदु हैं, विशेष रूप से शक्तिशाली सिंथेटिक दर्द निवारक दवा फेंटेनाइल के लिए।

चीनी राष्ट्रपति के दबाव में कोरोना के नए वैरिएंट का नाम पड़ा ओमीक्रॉन, डब्ल्यूएचओ पर फिर उठे सवाल

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वैरिएंट को ओमीक्रॉन नाम देने के साथ ही नया विवाद छिड़ गया है। नए वैरिएंट के नामकरण में ग्रीक वर्णमाला के दो शब्दों को छोड़ने से एक बार फिर डब्ल्यूएचओ पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। कहा जा रहा है कि विश्व निकाय ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दबाव में इन शब्दों को नजरअंदाज किया। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन कोरोना के नए वैरिएंट्स को ग्रीक अल्फाबेट के लेटर्स के मुताबिक नाम देता है। इस बार डब्ल्यूएचओ ने ग्रीक वर्णमाला के अल्फाबेट नू और शी छोड़ दिए हैं। अब तक डबल्यूएचओ वायरस स्वरूपों को सरल भाषा में बताने के लिए वर्णमाला के क्रम (अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा आदि) का पालन कर रहा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक सूत्र ने इसकी पुष्टि भी की है कि डब्ल्यूएचओ ने दोनों अक्षरों को जानबूझकर छोड़ा है। डब्ल्यूएचओ ने ऐसा चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग को बदनाम होने से बचाने के लिए किया है। ग्रीक वर्णमाला के क्रमानुसार अब आने वाले वैरिएंट का नाम शी रखा जाना था और चीन के राष्ट्रपति के नाम में भी शी आता है। शुक्रवार को हुई विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में फैसला लिया गया कि वायरस को नू नाम इसलिए नहीं दिया जाएगा क्योंकि लोग इसे न्यू समझ सकते हैं और ऐसे में कन्फ्यूजन का जोखिम है। इसके बाद शी को भी छोड़ने का फैसला किया गया, क्योंकि इससे एक क्षेत्र विशेष की बदनामी का डर था। महामारी की शुरुआत से ही डब्ल्यूएचओ पर आरोप लगते रहे हैं कि वह चीन के दबाव में काम कर रहा है, लेकिन अब उसने शी जिनपिंग के डर से कोरोना के नामकरण में ही घोटाला कर डाला है, जिसको लेकर दुनिया एक बार फिर डब्ल्यूएचओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। शुक्रवार को डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के बी.1.1.529 वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ कंसर्न करार दिया है। इस वैरिएंट का सबसे पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में मिला है। हालांकि अब तक इसके मामले हांगकांग, इजरायल और बोत्स्वाना में मिल चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य निकाय के मुताबिक यह वैरिएंट अत्याधिक तेजी से फैलता है। अभी तक इसके असल जोखिमों का पता लगाया जाना बाकी है। फिलहाल मौजूद सबूतों से यह पता लगता है कि इस वैरिएंट से दोबारा संक्रमण का जोखिम बढ़ता है।

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने ली मीडिया विभाग एवं बूथ समिति की बैठक

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री, सह संगठन महामंत्री और बूथ समिति के साथ सुना प्रधानमंत्री जी का मन की बात कार्यक्रम

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष जी रविवार को भोपाल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया विभाग, बूथ समिति की बैठक में भाग लिया। पार्टी नेताओं के साथ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने प्रधानमंत्री जी के मन बात कार्यक्रम को भी सुना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष जी रविवार को तीन दिवसीय प्रवास के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने प्रातः प्रदेश कार्यालय पं. दीनदयाल परिसर में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के साथ प्रदेश मीडिया विभाग की बैठक ली। बैठक में संगठन महामंत्री सुहास भगत, सह संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं पार्टी की प्रदेश महामंत्री व भोपाल संभाग प्रभारी सुश्री कविता पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थीं। बैठक में पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर ने मीडिया विभाग की कार्ययोजना प्रस्तुत की। पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्तागण बैठक में मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम: राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष जी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शाहपुरा मंडल के बूथ क्रमांक-243 पहुंचकर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत, सह संगठन महामंत्री हितानंद जी, प्रदेश महामंत्री सुश्री कविता पाटीदार, प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डे, जयदीप पटेल एवं जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित थे। मन की बात कार्यक्रम के पश्चात् राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष जी ने मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री एवं सह संगठन महामंत्री के साथ बूथ समिति की बैठक में भाग लिया। बूथ समिति के अध्यक्ष महेंद्र श्रीवास्तव ने बूथ स्तर पर पार्टी के चल रहे अभियानों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी।

अधिक मोबाईल देखने पर मॉ ने किशोरी को लगाई फटकार, नाराज नाबालिग ने लगा ली फांसी

भोपाल)। राजधानी के बिलखिरिया थाना इलाके मे स्थित छावनी पठार में रहने वाली एक किशोरी द्वारा फासीं लगाकर आत्महत्या किये जाने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि किशोरी को अधिकतर मोबाइल का इस्तमाल करने पर मां ने उसे फटकार लगा दी थी, जिससे नाराज होकर किशोरी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरु कर दी है। बिलखिरिया थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम छावनी पठार मे रहने वाली सरिता पिता सुनील अहिरवार (16) तीसरी तक पढ़ाई करने के बाद घर पर ही रहती थी। उसके माता-पिता दोनों मजदूरी करते हैं। बीती सुबह जब परिजन मजदूरी और जंगल में लकड़ी बीनने जा रहे थे, उसी समय मां ने उसे दिन भर मोबाइल चलाने पर फटकार लगाते हुए अधिक फोन न चलाने की समझाईश दी थी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में लगाया पिंकेशिया और पीपल का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में पिंकेशिया और पीपल का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध-रोपण करते हैं। पिंक केसिया का पर्यावरण तथा सुन्दर फूलों के कारण महत्व है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ स्मार्ट सिटी पार्क में वृक्षारोपण करने वाले पर्यावरण प्रेमी संस्था आवृत्ति समिति के पदाधिकारियों श्रीमती समता पाठक, श्रीमती नीलम तिवारी और सुश्री रफत सिद्दीकी शामिल थीं। इस अवसर पर राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष शिव चौबे भी उपस्थित थे। संस्था की तरफ से मुख्यमंत्री श्री चौहान और श्रीमती साधना सिंह चौहान के लिए तैयार कलाकृतियाँ भी भेंट की गई।

आवृत्ति समिति गत 10 वर्ष से पर्यावरण और स्वच्छता के क्षेत्र के साथ ही महिलाओं, बच्चों विशेषकर समाज में वंचित और कमज़ोर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। संस्था ने पिछले दस सालों में महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण आदि अलग-अलग मुद्दों पर अपेक्षाकृत स्थाई अप्रोच के लिए प्रतिबद्ध हो कर कार्य किया है। संस्था गत 5 वर्ष से ''नीड बेस्ड सस्टेनेबल अप्रोच'' उद्देश्य के साथ उल्लेखनीय कार्य कर रही है। आवृत्ति संस्था नवाचार कर राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हुई है। संस्था सतत् संवाद को मुख्य आधार और प्रभावी और उपयोगी माध्यम मानते हुए व्यवहार परिवर्तन के लिए नागरिकों से संवाद और परिचर्चा संबंधी कार्यक्रम आयोजित करती है।संस्था पर्यावरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। संस्था ने अभी तक कई क्षेत्रों को साफ़ कर उन्हें सुंदर बनाने के साथ वहाँ ऐसे वृक्षों और औषधीय पौधों को रोपित किया है जो वहाँ के रहवासियों के लिए अच्छी और स्वच्छ हवा के कारक बनेंगे और साथ ही उनके सेवन से कई रोगों से बचाव कर पाएँगे। संस्था रोशनी स्व-सहायता समूह भी संचालित करती है।

सूदखोरो से प्रताडित होकर जहर खाने वाले परिवार मे हुई चौथी मौत

परिवार के मुखिया ने भी तोडा दम, आखरी महिल सदस्य की हालत भी नाजूक

सूदखोर महिला गिरोह जायेगा जेल

भोपाल। राजधानी के पिपलानी थाना इलाके मे परिवार के पॉच सदस्यो द्वारा आत्मत्या के लिये एक साथ जहर खाने की सनसनीखेज घटना मे मां नंदनी जोशी, बड़ी बेटी ग्रीष्मा जोशी और छोटी बेटी पूर्वी जोशी की मौत के बाद बीती देर रात परिवार के मुखिया संजीव जोशी ने भी दम तोड दिया। वही संजीव की पत्नी ओर परिवार की आखरी सदस्य अर्चना जोशी की हालत भी बेहद नाजुक बनी हुई है, ओर वो अस्पताल मे जिंदगी ओर मौत की जंग लड रही है। इस पूरे मामले में जारी पुलिस जॉच के दौरान रोज ही नये खुलासे सामने आ रहे हैं। बताया गया है कि रकम वसूली के लिए सूदखोर महिलाएं अर्चना ओर उसके परिवार को आये दिन मोहल्ले में आकर उन्हे अपमानित करने के साथ ही उनकी बेटियो से गलत काम कराने की बात कहती थीं। अस्पताल मे भर्ती अर्चना ने पुलिस को यह भी बताया कि पति की जानकारी के बिना ही उन्होंने पैसे ब्याज पर उधार लिए थे। सूदखोरों के चुंगल से बचने का उन्हे कोई उपाय नजर नहीं आ रहा था, ओर आये दिन होने वाले अपमान के कारण ही उन्होंने परिवार सहित खुदकुशी करने फैसला लिया था। वहीं पुलिस सूदखौर गैंग की बब्ली दुबे, रानी, उर्मिला और प्रमिला नामक चारों महिलाओं को कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है, जहॉ से कोर्ट के आदेश पर उनका जेल जाना तय है। जानकारी के अनुसार ऑटो पार्टस व्यापारी संजीव जोशी ने पुलिस को दिए बयान में बबली गिरोह द्वारा प्रताडित किये जाने की दास्तां सुनाई है। उसने बताया कि पत्नी अर्चना जोशी उन्हे बिना बताये कई महीनो तक सूदखोर बबली से कर्ज लेती रही। संजीव ने जब बबली गैंग को घर में रोज-रोज बैठते देखा, बाद मे जब संजीव ने सितंबर में अर्चना से बबली के आने का कारण पूछा। पत्नी से कारण पूछा। इसके बाद पत्नी ने उन्हे सारी बात बताई।

लेबर पेन हुआ तो डिलीवरी के लिए साइकिल से ही अस्पताल जा पहुंची न्यूजीलैंड की सांसद

वेलिग्टन। वह स्त्री है कुछ भी कर सकती है, बॉलीवुड फिल्म स्त्री का यह डायलॉग कई बार बिलकुल सही साबित होता है। औरतों ने कई बार विषम परिस्थितियों में ऐसा कुछ कर दिखाया है, जो पुरुषों के लिए सोच से भी परे होता है। ऐसा ही कुछ हाल में न्यूजीलैंड में हुआ। यहां कोई और नहीं बल्कि एक महिला सांसद ने जिस तरह अपने बच्चे को जन्म दिया वह सुनकर सब हैरान रह गए। गर्भवती सांसद जूली एन जेंटर ने रात के 2 बजे लेबर पेन उठने पर साइकिल से ही अस्पताल की दौड़ लगा दी और कमाल की बात ये है कि एक घंटे के भीतर 3.04 बजे उन्होंने बच्चे को जन्म भी दिया। जूली ने सोशल मीडिया को जरिए लोगों को ये जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर साइकिल राइड से लेकर बच्चे के जन्म तक की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- बड़ी खबर! आज सुबह 3.04 बजे हमारे परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत किया गया। मैंने अपना लेबर पेन साइकिल पर तो कभी नहीं सोचा था, लेकिन ऐसा हुआ। हम जब अस्पताल के लिए निकले तो उतनी दिक्कत नहीं थी, लेकिन अस्पताल की 2-3 मिनट की दूरी को पार करने में हमें 10 मिनट लग गए। और अब हमारे पास एक प्यारा स्वस्थ बच्चा है, जो अपने पिता की गोद में सो रहा है। ख्याल रखने वाली इतनी अच्छी टीम पाना भाग्य की बात है, जिसके चलते डिलीवरी जल्दी हो सकी। जूली के इस पोस्ट पर लोगों को जबरदस्त कमेंट आ रहे हैं। कोई कह रहा है- यकीन नहीं होता तो कोई कह रहा है-मां को सलाम। कई लोगों ने उन्हें नए बच्चे के लिए मुबारकबाद भी दी। एक महिला ने लिखा-मैं तो प्रेग्नेंसी में कार की सीट बेल्ट भी नहीं लगा पाती थी, आप कमाल हैं। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की ही प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न भी हाल में अपनी बच्ची के चलते चर्चा में आई थी। यहां उन्हें काम और परिवार के बीच शानदार सामंजस्य बैठाते देखा गया।

इजरायली वैज्ञानिकों ने बनाई झूठ उगलवाने वाली मशीन, कुछ नहीं छिपेगा

तेल अवीव। तकनीक प्राद्यौगिकी के क्षेत्र में सबसे उन्नत राष्ट्रों में शुमार इजरायल के वैज्ञानिकों ने झूठ उगलवाने वाली मशीन बनाई है। अब झूठ बोलना मुश्किल हो जाएगा। आपके हर झूठ को इस तकनीक की मदद से आसानी से पकड़ा जा सकता है। दरअसल, इजराइल के वैज्ञानिकों ने नई तकनीक की मदद से ऐसा लाई डिटेक्टर तैयार किया है जिसमें चेहरे के हावभाव और मांसपेशियों के जरिए झूठ को पकड़ा जा सकेगा। यह तकनीक अन्य उपलब्ध तकनीकों के मुकाबले ज्यादा बेहतर है और इसकी सटीकता का प्रतिशत 73 फीसदी है। नई तकनीक की मदद से इस लाई डिटेक्टर को तेल अवीव स्थित इजराइली वैज्ञानिकों के दल ने तैयार किया है। इस शोध में झूठ बोलने वाले लोगों को दो भागों में बांटा गया है। इसमें पहले वे लोग होंगे जो झूठ बोलते समय अपने गाल की मांसपेशियों को सक्रिय करते हैं और दूसरे वह लोग होंगे जो झूठ बोलते वक्त भौंह को सक्रिय करते हैं। इस रिसर्च में शामिल कॉलर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर डिनो लेवी ने कहा कि, कई रिसर्च में इस बात के प्रमाण मिले हैं कि यह जानना लगभगल असंभव है कि कोई व्यक्ति झूठ बोल रहा है। वर्तमान में उपलब्ध लाई डिटेक्टर मशीनों पर यकीन करना मुश्किल हैं क्योंकि जो व्यक्ति अपनी नब्ज को नियंत्रित करना जानता है वह इन मशीनों को धोखा दे सकता है। हमारी स्टडी इस अवधारणा पर आधारित है कि झूठ बोलने के दौरान चेहरे की मांसपेशियां कुछ दर्शाती हैं। अब तक उपलब्ध कोई भी इलेक्ट्रोड इतना संवेदनशील नही है कि इन विकृतियों को माप सके। इस रिसर्च में इलेक्ट्रोड के जरिए शरीर की तांत्रिका और मांसपेशियों की गतिविधियों की निगरानी और उनका आकलन करता है। इन इलेक्ट्रोड में सॉफ्ट स्टिकर्स का इस्तेमाल किया जाता है जिनका विभिन्न प्रकार से उपयोग किया जाता है। इन स्टिकर्स को होंठ के पास गाल की मांसपेशियों और भौंह के करीब लगाया जाता है। इसके बाद लोगों से कुछ कहने के लिए कहा जाता है। इस तकनीक में एक व्यक्ति कानों में हेडफोन लगाता है और उसे कुछ शब्द लाइन या ट्री के रूप में प्रसारित किए जाते हैं।

चीन के कर्ज का नया शिकार बना युगांडा, देश के इकलौते अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर ड्रैगन ने किया कब्जा

बीजिंग। पाकिस्तान, श्रीलंका और कई अन्य देशों के बाद अब चीन के कर्ज का नया शिकार अफ्रीकी देश युगांडा बना है। कर्ज चुकाने में विफल रहने के कारण युगांडा सरकार को अपना प्रमुख हवाई अड्डा चीन को सौंपना पड़ा है। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि युगांडा सरकार चीन के साथ एक लोन एग्रीमेंट को पूरा करने में विफल रही है। जिसके बाद अनुबंध के तहत उसे अपने एकमात्र हवाई अड्डे को चीन को सौंपना पड़ा है। बताया जाता है कि एंटेबे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कुछ अन्य युगांडा की संपत्तियां कुर्क की गई हैं। चीनी ऋणदाताओं की ओर से ऋण की मध्यस्थता पर कब्जा करने पर सहमति व्यक्त की गई। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने एक प्रतिनिधिमंडल को पेइचिंग भेजा था, जिसमें इस बात की उम्मीद जताई गई थी कि इन शर्तों पर फिर से बातचीत हो सकेगी।

कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' ने कई यूरोपीय देशों को अपनी चपेट में लिया

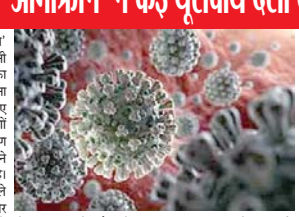

लंदन। कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' के तेज संक्रमण ने कई यूरोपीय देशों को अपनी गिरफ्त में लिया है। सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में पाए जाने के महज कुछ दिनों बाद ही कोरोना वायरस के संभवतः अधिक संक्रामक नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' ने कई और यूरोपीय देशों को अपनी चपेट में ले लिया है, जिसके कारण दुनिया भर की सरकारों को इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने को मजबूर होना पड़ा है। ब्रिटेन ने ओमीक्रोन से संक्रमण के दो मामले आने के बाद शनिवार को मास्क पहनने और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के आगमन संबंधी नियमों को सख्त कर दिया। जर्मनी और इटली में भी शनिवार को ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण की पुष्टि हुई। बेल्जियम, हांगकांग और इजराइल पहुंचने वाले यात्रियों में भी वायरस के इस स्वरूप का संक्रमण मिला है। अमेरिका के संक्रामक रोगों के शीर्ष सरकारी विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फाउची ने कहा कि यह आश्चर्य की बात नहीं होगी, अगर अमेरिका में पहले से ही वायरस के इस स्वरूप की मौजूदगी का पता चले। उन्होंने कहा, 'हमें अभी तक इसका मामला नहीं मिला है, लेकिन जब आपके आसपास ऐसा वायरस हो और जो इस स्तर पर प्रसारित हो रहा हो....तो यह तय है कि वह सभी जगह फैलेगा।' वायरस के नए स्वरूप में अब तक लगाए गए टीकों के प्रति अधिक प्रतिरोधक क्षमता होने की संभावना के मद्देनजर पूरी दुनिया में महामारी को लेकर चिंता है और लॉकडाउन संबंधी प्रतिबंधों के अपेक्षाकृत अधिक समय तक लागू रहने की आशंका है।

उल्लेखनीय है कि गत दो साल से जारी महामारी की वजह से पूरी दुनिया में 50 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और इस नए खतरे के प्रति पूरी दुनिया के देश हाई अलर्ट पर हैं। कई देशों ने पहले ही दक्षिण अफ्रीका से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है ताकि उन्हें ओमीक्रोन का आकलन करने के लिए समय मिल सके और वे पता लगा सके कि वायरस का यह स्वरूप मौजूदा डेल्टा स्वरूप से कहीं अधिक तेजी से प्रसारित तो नहीं हो रहा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इंग्लैंड में वायरस के नए स्वरूप से दो लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद कहा कि 'लक्षित और एहतियाती कदम' उठाने की जरूरत है। वायरस के इस स्वरूप के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जॉनसन द्वारा घोषित कदमों में देश में आने के दूसरे दिन आरटी-पीसीआर जांच कराना और रिपोर्ट में संक्रमित नहीं होने की पुष्टि होने तक पृथक-वास में रहने का प्रावधान शामिल है। उन्होंने कहा,''हम आज से बूस्टर खुराक के लिए अभियान को गति देने जा रहे हैं।'' ब्रिटेन ने बोत्सवाना, इस्वातिनी (पूर्व में स्वाजीलैंड), लेसेथो, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा रविवार से अंगोला, मालावी, मोजाम्बिक और जाम्बिया को भी लाल सूची में डालने का फैसला किया है। इसका अभिप्राय है कि यहां से आने वाले लोगों को पृथक-वास नियम का अनुपालन करना होगा।

मेक्सिको- जबरन वसूली से परेशान हो आत्मरक्षा समूह के 500 लोग पुलिस की मदद के लिए लामबंद

नुएवो उरेचो, मेक्सिको। पश्चिमी मेक्सिको में जबरन वसूली की मांग और अपहरण से तंग आकर लोग एकजुट हो गए है। एवोकाडो उत्पादकों से जबरन वसूली की बढ़ती घटनाओं से परेशान 'यूनाइटेड टाउन्स' या 'पुएब्लोस यूनिडोस' नामक तथाकथित 'आत्मरक्षा' समूह के 500 लोग शनिवार को एकत्र हुए और उन्होंने पुलिस की सहायता का संकल्प लिया। पश्चिमी राज्य मिचोआकन के नुएवो उरेचो शहर में एआर-15 और अन्य राइफलों के साथ-साथ बंदूकों से लैस लोग एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि वियागरा और जलिस्को जैसे मादक पदार्थ गिरोह एवोकाडो उत्पादकों से लगभग 1000 अमेरिकी डॉलर प्रति एकड़ (2500 अमेरिकी डॉलर प्रति हेक्टेयर) कर वसूल रहे हैं। जबरन वसूली की मांग और अपहरण से तंग आकर, उत्पादकों और किसानों ने 2020 में इस समूह का गठन किया और अब इसमें लगभग 3000 सदस्य होने का दावा किया जाता है। समूह के एक नकाबपोश नेता ने कहा, 'हममें से कई लोग अपहरण, जबरन वसूली के शिकार हुए हैं।' गवर्नर अल्फ्रेडो रामिरेज बेदोला ने राज्य के विभिन्न आत्मरक्षा समूहों को निरस्त्र करने का संकल्प लिया है, जिस पर समूह के नेता ने कहा, 'हम पुलिस की संख्या बढ़ाने के लिए महापौर के साथ समझौते पर पहुंचे हैं। फिलहाल, हम अपनी बंदूकें रख रहे हैं, लेकिन हम किसी भी समय पुलिस का सहयोग करने और बाहर आने के लिए तैयार हैं।

सड़क पर पड़े पटाखे बना बच्चों की जान का दुश्मन, कई बच्चे हुए घायल

ग्वालियर। आज सड़क पर पड़ा पटाखा, बच्चों की जान का दुश्मन बन गया। बताया जाता है कि कुंवरपुर गांव में सड़क पर पड़े एक पटाखे को उठाकर बच्चों ने पास ही जल रहे कचरे में फेंक दिया। जिसमें अचानक तेज धमाका हुआ और बच्चों की चीख से पूरा इलाका दहल उठा। धमाका इतना तेज था कि पास खेल रहे पांच बच्चे घायल हो गए हैं। एक बच्चे के हाथ एक आंख भी बुरी तरह जख्मी हुई है। अन्य बच्चों को भी चेहरे, शरीर पर गंभीर चोट आई हैं। घटना रविवार शाम 4 बजे की है। धमाके की आवाज और बच्चों की चीख सुनकर मोहल्ले के लोग वहां पहुंचे और घायलों को जेएएच में भर्ती कराया गया है। रिजवान की हालत बेहद नाजुक है। उसका एक हाथ का पंजा व आंख बुरी तरह डेमेज हुई है। एक रात पहले यहां से बारात निकली थी। जिसमें पटाखे चल रहे थे। उसी में से एक पटाखा बिना चले रह गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर के महाराजपुरा कुंवरपुर गांव में मस्जिद के पास मोहल्ले के अलग-अलग परिवार के बच्चे खेल रहे थे। तभी 8 साल के रिजवान खां को एक बड़ा देशी पटाखा मिला। बच्चों के लिए यह अनोखा था क्योंकि आम तौर पर इतने बड़े पटाखे उन्होंने कभी नहीं चलाए थे। वह पटाखा को लेकर हिलाने डुलाने लगे। पास ही अन्य बच्चे संजना (10), अजान (6), फरहान (11), पायल (6) खड़े थे। सभी को वह काफी रोचक लगा था। सभी उससे खेलने लगे। पास ही कचरे के ढेर में आग जल रही थी। बच्चों ने पटाखे को आग में डाल दिया। बच्चों को यह नहीं पता था कि यह पटाखा जिंदा है। उनको लगा कि यह सिर्फ जलेगा। पर अभी अचानक तेज धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि सबसे आगे खड़े रिजवान सीधे हाथ का पंजा तक उड़ गया। उसकी आंख में चिंगारी घुस गई। अन्य बच्चे भी बुरी तरह झुलस गए। धमाका और उसके बाद बच्चों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां आ गए। बच्चों को सड़क पर तड़पता देखा तो सभी बच्चों को जेएएच में भर्ती कराया। बच्चों में रिजवान व फरहान की हालत खराब है। डॉक्टर का कहना है कि रिजवान की एक आंख पूरी तरह खराब हो गई है। उसके हाथ का पंजा भी वापस नहीं जुड़ सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।

किसी की लापरवाही बच्चों की जान पर भारी

कुंवरपुर में रहने वाले रफीक खान का कहना है कि शनिवार रात कुंवरपुर से बारात निकली थी। बारात में काफी पटाखे चल रहे थे। उसमें से एक पटाखा अनचला रह गया था। जिसे बारात की खुशी में लोगों ने लापरवाही से वहीं छोड़ दिया। बाहर खेल रहे बच्चों ने उसे उठा लिया। जिसके बाद यह हादसा हो गया। सभी बच्चों की उम्र 8 से 10 साल है। कुछ बच्चे 6 साल के भी हैं।

दर्दनाक था वह दृश्य

- कुंवरपुर में रहने वाले रफीक खान का कहना है कि जिस समय धमाके की आवाज आई तो वही सबसे पहले घटना स्थल पर पहुंचे थे। रिजवान के हाथ के परखचें उड़ गए थे। उसकी आंख से खून बह रहा था। अन्य बच्चे भी खून से लथपथ थे। वो दृश्य दिल दहला देने वाला था। सबसे पहले सोचा बच्चों को अस्पताल पहुंचा दूं। सबसे ज्यादा रिजवान और फरहान घायल हैं।

ग्वालियर में फुटवियर व कपड़ों पर जीएसटी बढ़ाए जाने के विरोध में व्यापारियों ने लगाए बैनर

ग्वालियर। कपड़ा व फुटवियर (1000 से कम मूल्य पर) पर जीएसटी की दर पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किए जाने का विरोध शुरू हो गया है। शनिवार को शहर की कुछ जूता व कपड़ों की दुकानों पर बढ़े हुए जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) के खिलाफ होर्डिंग-बैनर लगाकर विरोध का बिगुल फूंका गया। होर्डिंग-बैनर लगाने का मकसद भविष्य में होने वाली महंगाई से आम जनता को अवगत कराना है। जिससे कि व्यापारियों का विरोध जनआंदोलन का रूप ले सके। जीएसटी की यह बढ़ी हुई दरें 1 जनवरी 2022 से लागू की जाएंगी। जिसका विरोध व्यापारियों ने अभी से शुरू कर दिया है। शुक्रवार को विरोध की रणनीति बनाने चैंबर भवन में व्यापारियों की बैठक हुई थी। जिसमें जीएसटी बढ़ाए जाने के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया था। चैंबर भी व्यापारियों की लड़ाई में शामिल है। जिसके तहत विस्तृत ज्ञापन बनाकर केंद्रीय वित्त मंत्री, कपड़ा मंत्री, सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों सहित संबंधितों को शनिवार को प्रेषित किया गया है।

उत्तराखंड में ट्रेनिंग के दौरान ग्वालियर की बेटी की मौत, शव पहुंचा तो नम हुई आंखें

ग्वालियर। कुछ कर दिखाने का जुनून लेकर शहर की बेटी ने आइटीबीपी ज्वाइन की, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान ही युवती की मौत हो गई। बेटी की मौत की खबर सुनकर परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। बेटी का शव जब रविवार को डबरा पहुंचा तो हर आंख नम थी। गौरतलब है कि शिवकुमारी पुत्री राजाराम बाथम निवासी रामनिवास कालोनी ठाकुर बाबा रोड वार्ड क्रमांक 12 का चयन आइटीबीपी में हुआ था। इसके बाद शिवकुमारी को ट्रैनिंग के लिए पैरामिलेट्री फोर्स (आइटीबीपी) 12 वीं बटालियन उत्तराखंड में जाना पड़ा था। ट्रेनिंग के दौरान ही अचानक शिवकुमारी की तबियत बिगड़ गई। स्वजनों को स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिल गई थी, लेकिन वह उत्तराखंड जाते इसके पहले ही बेटी की मौत की सूचना स्वजनों तक पहुंच गई। इसके बाद रविवार को उत्तराखंड आइटीबीपी के जवान शिवकुमारी के शव को सम्मानपूर्वक ग्वालियर जिलान्तर्गत डबरा में लेकर पहुंचे। बेटी को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उधर जवान शिवकुमारी की मौत की सूचना जैसे ही डबरा में फैली हर व्यक्ति की आंखे नम हो गई। स्वजनों ने बताया कि शिवकुमारी की उत्तराखंड में ट्रैनिंग के दौरान ही तबियत बिगड़ी थी और उसकी मौत हो गई।

स्वर्गीय डॉ दर्शन सिंह जी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : डॉ देवेंद्र शर्मा

मेरे पिताजी ने मुझे हमेशा कांग्रेस की विचारधारा से परिचय कराया, मैं उनके पदचिन्हों पर चलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का हरसंभव प्रयास करूँगा : मितेंद्र दर्शन सिंह

ग्वालियर। आज ग्वालियर कांग्रेस कार्यालय पर शहर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ दर्शन सिंह जी की पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा , कार्यकारी अध्यक्ष अमर सिंह माहौर, कार्यकारी अध्यक्ष वीर सिंह तोमर , कार्यकारी अध्यक्ष चतुर्भुज धनौलिया , महिला कांग्रेस अध्यक्ष रूचि राय ठाकुर , ब्लोक अध्यक्ष विनोदी जैन , पूर्व पार्षद आनंद शर्मा जी , वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीर सिंह यादव ने वहां उपस्थित कांग्रेस जनों को सम्बोधित करते हुए डॉ दर्शन सिंह जी के साथ किये गए अपने कार्यों को स्मरण किया सभा का संचालन कुलदीप कौरव ने किया।

इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा जी ने कहा कि स्वर्गीय डॉ दर्शन सिंह जी ने प्रत्येक गली मोहल्ले तक कांग्रेस के कार्यकर्ता स्थापित किये । कांग्रेस पार्टी के लिए किये गए संघर्ष एवम सपर्पण को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा । स्वर्गीय डॉ दर्शन सिंह जी ने जो कार्यकर्त्ता स्थापित किये हैं आज उनकी जिम्मेदारी है की कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का कार्य करें व् कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाए। जिससे डॉ दर्शन सिंह जी के सपने को साकार किया जा सके ।

कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस जनों को सम्बोधित करते हुए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मितेंद्र दर्शन सिंह ने कहा की मेरे पिताजी स्वर्गीय डॉ दर्शन सिंह जी ने कांग्रेस की विचारधारा से मेरा परिचय कराया। मैं उनके पदचिन्हो पर चलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का हरसंभव प्रयास करूँगा। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीर सिंह यादव जी ने कहा कि दर्शन सिंह जी सर्वहारा वर्ग के चहते जन नेता थे। उन्होंने हमेशा परिवार से पहले कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी के हरेक कार्यकर्ता को सर्वप्रथम अपने दैनिक जीवन में प्राथमिकता दी और अंतिम समय में कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर उन्होने यह सिद्ध कर दिखाया की पार्टी उनके जीवन के लिए सबकुछ है ।

कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल , पूर्व संगठन महामंत्री लतीफ खान मल्लू , अख्तर हुसैन कुरैशी , अशोक तोमर , प्रेम नारायण यादव , सरमन राय , ऊदल सिंह , कल्लू दीक्षित , सुनील श्रीवास पप्पू , मुनेंद्र भदौरिया , वीरेंद्र यादव , धर्मेंद्र शर्मा , महबेदव अपौरिया , जे इस जाफरी , केदार किरार , कुलदीप कौरव , सीमा समाधिया , वीणा भरद्वाज , मीनू परिहार , गीता गुप्ता , श्रीकिशन गुर्जर , दलवीर बोहरे , भीम यादव , अभिजीत राहुल भदौरिया , तरुण यादव , आदित्य सेंगर , केशव सिंह , अरविन्द यादव , कप्तान कुशवाह , ऋषभ भदौरिया , महेंद्र शर्मा , संदीप यादव , हरी प्रकाश दुबे , संजीव दीक्षित , प्रेम सिंह कौरव , पप्पू यादव , संजू गुर्जर , संजना राजावत , अन्य कांग्रेस जनों के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जुजित्सु एसोसिएशन ग्वालियर के द्वारा द्वितीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ सम्पन्न

अमित शर्मा रिपोर्टर

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । पीतांबरा धर्म कांटे के पीछे मिनी मॉल के पास आयोजित की गई जिसमें ग्वालियर शहर के 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें जुजित्सु खेल विद्या की फाइटिंग सिस्टम निवाजा सेल्फ डिफेंस प्रतियोगिता में अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ियों ने 20 गोल्ड 20 सिल्वर पदक प्राप्त किए इस अवसर पर ग्वालियर जिला जुजित्सु संघ अध्यक्ष हाकिम सिंह सचिव एवं मुख्य कोच सूरज राठौर उपाध्यक्ष अभिनव राजपूत कोषाध्यक्ष सतीश राठौर सह कोषाध्यक्ष कोमल कुशवाहा सह सचिव राजेश राठौर लव कुश तोमर सुरभी राठौर रानू राठौर नीलम लोधी साहिल प्रताप सिंह आदि ने रेफरी की भूमिका निभाई जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री विपिन सिंह तोमर समाजसेवी राम लखन कुशवाहा विशिष्ट अतिथि राजेश कुशवाहा नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा रामनिवास राठौर योगेंद्र राठौर आदि अतिथियों द्वारा सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और 18 दिसंबर से 20 दिसंबर को ग्वालियर जिले में होने वाली सातवीं जुजुत्सु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने की शुभकामनाएं दी और कहा ग्वालियर जिले का नाम रोशन करें आप सभी को बहुत-बहुत बधाई कार्यक्रम का आभार संस्था के सचिव सूरज राठौर ने किया

मन को शांत करने वाली कला है संगीत: सरसंघचालक

समाज से संघ कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने का आह्वान

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कही कि संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं मन को शांत कराने वाली कला है। सत्यम, शिवम, सुंदरम का दर्शन कराती हैं भारतीय कलाएं। सामूहिक संगीत में अगर किसी की जुटि हो जाए तो सबका वादन खराब हो जाता है। इसलिए किसी-किसी को बीच में कहा जाता है कि वह मुंह पर वाद्य लगाए रहे, बजाए नहीं, क्योंकि प्रत्येक वाद्य का अपना-अपना स्थान है। एक वादक का वादन महत्वपूर्ण है, समाज के अस्तित्व का भी यही नियम है। हम सागर के बिंदु हैं और सागर के बिना बिंदु का अस्तित्व अधूरा है। इसी तरह समाज में सबका सह अस्तित्व जरूरी है, उसको समाज भी मानता है और संगीत मनुष्य को उन्नत करता है। हम साधना करते हैं, उसका प्रदर्शन भी करते हैं लेकिन यह प्रदर्शन दिखावे के लिए नहीं होता। बल्कि उसको और अच्छा करने के लिए होता है। सरसंघचालक डॉ. भागवत रविवार को ग्वालियर में आयोजित मध्य भारत प्रांत के चार दिवसीय स्वर साधक संगम के समारोप अवसर पर बोल रहे थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. I31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478